शकुन टाइम्स

निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज

लखनऊ, बुधवार 19 फरवरी 2025 नगर संस्करण | पृष्ठ:-8 मूल्य:-4 रूपया | वर्षः- 14, अंक 36

प्लेटफॉर्म बदलने के कारण हुआ था नई दिल्ली... ● लखनऊ से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र ● मैंने इस्तीफा नहीं दिया है, कार्यकाल...

नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणी पर भड़के सीएम योगी

विपक्षी नेता उर्दू की वकालत करते और अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में भेजते

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली। यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सदन की कार्यवाही में क्षेत्रीय भाषाओं जैसे भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेलखंडी और अंग्रेजी का उपयोग करने पर विरोध जताया। मिली जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस पर भड़क गए और उन्होंने तीखा जवाब दिया। सीएम योगी ने कहा कि आप लोग अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम में पढ़ाते हैं, और फिर आप चाहते हैं कि आम लोगों के बच्चों को उर्दू पढ़ाकर देश को कट्टरपंथी बना दिया जाए। यह

बिल्कुल नहीं चलेगा। दरअसल, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बताया कि कोई भी सदस्य अपनी भाषाई पसंद के अनुसार सदन में बोल सकता है। इस पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि वे अंग्रेजी के उपयोग का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को ठीक है, लेकिन अंग्रेजी का हम विरोध करते हैं। अगर अंग्रेजी में भाषण हो सकता है, तो उर्दू में क्यों नहीं? पांडेय ने यह भी कहा कि वे इसे बहुमत से पास कराने का विरोध करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर तीखा पलटवार किया और कहा कि हमारी सरकार में भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी जैसी क्षेत्रीय भाषाओं को सम्मान मिल रहा है, क्योंकि ये सभी हिंदी की बेटियां हैं। हम इसका स्वागत करते हैं। लेकिन विपक्ष का काम हमेशा विरोध करना होता है।

सीएम योगी ने कहा कि विधानसभा में सदस्य समाज के विभिन्न वर्गों से आते हैं, और इसलिए हर व्यक्ति की आवाज सुनी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह अजीब है कि आप हिंदी और भोजपुरी में बोलने का विरोध कर रहे हैं, लेकिन उर्दू की वकालत कर रहे हैं। समाजवादियों का चरित्र ही दोहरा हो गया है। वे अपने बच्चों को इंग्लिश स्कूल भेजेंगे, लेकिन आम लोगों के बच्चों को उन्हीं स्कूलों में भेजेंगे, जहां सुविधाओं का अभाव हो। सीएम योगी ने आगे कहा कि मैं कहता हूं, जाकी रही भावना जैसी, प्रभु सूरत तीन देखि वैसी। समाजवादी नेता अपनी नीति और विचारधारा के हिसाब से ही काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि उनकी सरकार इन क्षेत्रीय भाषाओं के लिए अकादमियों का गठन कर रही है, और जब इन भाषाओं को सम्मान मिल रहा है, तो विपक्ष उसका विरोध कर रहा है। उन्होंने कहा, ष्आप हर अच्छे काम का विरोध करते हैं। यही ढोंग है आपकी राजनीति का। आप अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम में पढ़ाएंगे, लेकिन दूसरे बच्चों के लिए उर्दू पढ़ाने की बात करेंगे।

आजम खां के बेटे अब्दुल्ला को बड़ी राहत, जेल से आएंगे बाहर

एमपीएमएलए कोर्ट से जमानत मंजूर

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के महासचिव आजम खां के बेटे अब्दुला के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। शत्रु संपत्ति खुर्द-बुर्द करने के मामले में अब्दुल्ला की जमानत मंजूर हो गई है। रामपुर की एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अब्दुल्ला को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। माना जा रहा है कि तीन-चार दिनों में अब्दुल्ला सलाखों से बाहर आ जाएंगे। एक समय आजम, उनकी पत्नी तंजीन और बेटा अब्दुल्ला तीनों जेल में थे। पत्नी तंजीन पहले ही जमानत पर बाहर आ चुकी हैं। अब बेटा बाहर आएगा। हरदोई जेल में बंद सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम की जमानत अर्जी अदालत ने सशर्त मंजूर की है। कोर्ट ने 20-20 हजार के दो जमानती और इतनी ही धनराशि के मुचलके पर रिहाई का आदेश दिया है। जमानत की शर्तों में देश न छोड़ना, हर तारीख पर हाजिर होना, गवाहों से छेड़छाड़ न करना और न्याय प्रक्रिया में सहयोग करना शामिल है। इससे पहले आजम खां इस मामले में 15 फरवरी को ही जमानत अर्जी वापस ले चुके हैं। मालूम हो कि पूर्व में शत्रु संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने के आरोप से घिरे सपा नेता आजम खां व अब्दुल्ला आजम को रामपुर पुलिस ने क्लीन चिट दे दी थी। जिस पर यह मामला शासन तक पहुंचा था। जिसके बाद इस मामले में शासन ने दोबारा विवेचना के आदेश दिए गए थे। एसपी ने इस मामले की विवेचना अपराध शाखा के इंस्पेक्टर नवाब सिंह को सौंपी थी। नवाब सिंह इस वक्त रामपुर में शहर कोतवाल हैं। इस मामले में आजम और अब्दुल्ला को कोर्ट में आरोपी बनाया जा चुका है। सोमवार को अभियोजन और बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित किया था। मंगलवार को एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए अब्दुल्ला आजम की जमानत मंजूर कर ली है।

प्रयागराज से आ रही ट्रेन में लगी आग, यात्रियों में मचा हड़कंप

एजेंसी

सोनभद्र। मंगलवार दोपहर उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के खैराही स्टेशन के पास स्थित कर्मा थाना क्षेत्र में एक बड़ी घटना घटित हुई। प्रयागराज से दिल्ली जा रही त्रिवेणी एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। ट्रेन में आग लगने के बाद, उसमें उठते हुए धुएं को देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन ड्राईवर की सूझबूझ से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया और सभी यात्री सुरक्षित बच गए। मंगलवार की दोपहर जब त्रिवेणी एक्सप्रेस अपने रास्ते पर तेज गति से बढ़ रही थी, तभी डिलही के पास अचानक ट्रेन से धुआं उठने लगा। धुआं देख यात्री डर के मारे गाड़ी से बाहर कूदने की सोचने लगे। ट्रेन के डिब्बों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यात्री बिना किसी समझदारी के आपातकालीन दरवाजों की ओर भागने लगे। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा की दृष्टि से घटनास्थल पर स्थित रेलवे कर्मचारियों और पुलिस ने जल्दी से स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि यह घटना घबराहट का कारण बनी, लेकिन ट्रेन के ड्राईवर की सूझबूझ ने एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। ड्राईवर ने तुरंत ट्रेन को सुरक्षित स्थान पर रोका और इंजन से जुड़ी तकनीकी समस्याओं की जांच शुरू की। इसके बाद, ट्रेन के अन्य अधिकारियों ने भी तुरंत स्थिति पर नियंत्रण पाया।

टैंक में गिरने से तीन छात्राओं की मौत

जयपुर। राजस्थान में बीकानेर जिले के नोखा कस्बे में मंगलवार को एक सरकारी स्कूल में पानी के टैंक के मलबे में दबने से तीन छात्राओं की मौत हो गयी। पुलिस उपाधीक्षक हिमांशु शर्मा ने बताया कि यह हादसा मंगलवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवानाडा में हुआ। ये छात्रायें खेलते-खेलते स्कूल परिसर में बने पानी के टैंक के ऊपर पहुंच गयी। अचानक टैंक की पट्टियां टूट गयीं और सभी छात्रायें करीब आठ फुट नीचे गिर गयीं और पट्टियों के मलबे के नीचे दब गयीं। घटना में घायल छात्राओं को मलबे से बाहर निकाल कर तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्राओं के नाम भावना, रविना एवं प्रज्ञा है, जिनकी उम्र पांच से आठ वर्ष के बीच है। मृतकों के शव नोखा के उप जिला अस्पताल में रखवाये हैं। हादसे की सूचना मिलते ही उपखंड अधिकारी गोपाल जांगिड़ और नोखा थानाधिकारी अमित स्वामी अस्पताल पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राहुल गांधी ने किसे बताया अमित शाह का दाहिना हाथ?

सीईसी की नियुक्ति को करार दिया आधी रात का तख्तापलट

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति के बाद आरोप लगाया कि ऐसे समय में यह निर्णय आधी रात को लेना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के लिए गरिमा के प्रतिकूल है, जब चयन समिति की संरचना और प्रक्रिया को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है और 48 घंटे से भी कम समय में सुनवाई होनी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आधी रात का तख्तापलट कैसे मोदी-शाह ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति पर कब्जा किया। कांग्रेस ने पोस्ट कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने यह अनिवार्य किया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) का चयन करने वाली समिति में प्रधानमंत्री (पीएम), विपक्ष के नेता (एलओपी) और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) शामिल हों। मोदी सरकार ने एक नया कानून पारित करके सीजेआईको हटा दिया और उनकी जगह प्रधानमंत्री के चुने हुए एक मंत्री को शामिल किया, जिससे न्यायिक निगरानी कमजोर हो गई। इस कानून को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई, जिससे इसकी वैधता पर सवाल उठ गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई की तारीख 19 फरवरी तय की, जो नियुक्ति प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती थी। खतरे को भांपते हुए, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से पहले ही ष्टश्वष्ट चयन समिति की बैठक जल्दबाजी में बुला ली। विपक्ष के नेता ने स्थगन की मांग की और समिति से सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करने का आग्रह किया। एक चौंकाने वाले कदम में, सरकार ने 17 फरवरी की आधी रात को, सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से महज 2 दिन पहले, ज्ञानेश कुमार को नए ष्टश्वष्ट के रूप में घोषित कर दिया। ज्ञानेश कुमार, जिन्हें अमित शाह का दाहिना हाथ माना जाता है, को 2024 के चुनावों की निगरानी के लिए चुना गया, जिससे भाजपा का चुनावी प्रक्रिया पर पकड़ और मजबूत हो गई।

सत्येंद्र जैन की बढ़ीं मुश्किलें

गृह मंत्रालय से भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति की मुहर

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सत्येंद्र जैन के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग करते हुए भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकृति की मुहर लगा दी है।

60 वर्षीय जैन के खिलाफ गृह मंत्रालय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी देने का अनुरोध किया गया था। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि मंत्रालय ने ईडी की जांच और पर्याप्त सबूत की मौजूदगी के आधार पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह अनुरोध किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन पर हवाला सौदों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में मामला दर्ज किया और मई 2022 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जैन फिलहाल जमानत पर जेल से बाहर हैं और ईडी ने उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग का मामला अगस्त 2017 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जैन और अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा हुआ है। सीबीआई ने दिसंबर 2018 में आरोपपत्र दाखिल किया था जिसमें कहा गया था कि आय से कथित तौर पर अधिक संपत्ति 1.47 करोड़ रुपये की थी, जो 2015-17 के दौरान जैन की आय के ज्ञात स्रोतों से लगभग 217 प्रतिशत अधिक थी।

मुख्तार अंसारी की बेनामी संपत्ति की कुर्की को न्यायाधिकरण ने बरकरार रखा

एजेंसी

नई दिल्ली। अंसारी के कानूनी उत्तराधिकारियों, जिनमें उनकी पत्नी अफशां अंसारी और बेटे उमर और अब्बास अंसारी शामिल हैं, ने इस कुर्की का विरोध किया। हालांकि, गहन सुनवाई के बाद न्यायाधिकरण ने संपत्ति के बेनामी होने की पुष्टि की और कुर्की को बरकरार रखा। कथित तौर पर इस संपत्ति को फर्जी सौदे के जरिए तनवीर सहर नामक व्यक्ति को 76 लाख रुपये में बेचा गया था।

जांच में पता चला कि सहर ने संपत्ति के भुगतान के लिए तीन चेक जारी किए थे, जिनमें से किसी में भी कोई जमा या भुनाया नहीं गया, जिससे पता चलता है कि यह सौदा वैध दिखने के लिए गढ़ा गया था। आयकर जांच के तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त ध्रुवपुरारी सिंह द्वारा आगे की जांच में पता चला कि सहर ने कभी कोई आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया था और उसकी आय का कोई स्पष्ट स्रोत नहीं था। उसके पति की आय मात्र 1.74 लाख रुपये बताई गई थी, जिससे संपत्ति के लेन-देन के लिए इस्तेमाल किए गए धन के बारे में संदेह पैदा हुआ। आयकर बेनामी इकाई की जांच में यह भी पता चला कि इसी संपत्ति को पहले मुख्तार अंसारी के सहयोगी गणेश दत्त मिश्रा ने 1.6 करोड़ रुपये के ऋण के लिए गिरवी रखा था, जिसे पूरी तरह से चुका दिया गया था। इसके बाद, संपत्ति सहर को हस्तांतरित कर दी गई। मिश्रा ने आयकर अधिकारियों को दिए अपने बयान में खुलासा किया कि संपत्ति का हस्तांतरण आतिफ रजा द्वारा किया गया था, जो मुख्तार अंसारी का साला है।

ब्यूरोक्रेट की पत्नी को पद देने की प्रथा खत्म होगी

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद बोली यूपी सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद यूपी सरकार ने कहा है कि ब्यूरोक्रेट की पत्नियों को पद देने की प्रथा खत्म की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि अब सरकारी नौकरशाहों की पत्नियों को पदेन पददेने की औपनिवेशिक परंपरा को खत्म किया जाएगा। राज्य की सहकारी समितियों, ट्रस्टों और सोसाइटी के लिए नए मॉडल बॉयलॉज बनाए जा रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हों।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई में मई 2024 में इस प्रथा को औपनिवेशिक मानसिकता वाला बताते हुए कहा था कि यह अपमानजनक और अस्वीकार्य है, जब यह सामने आया कि बुलंदशहर में जिला महिला समिति की अध्यक्षता जिला मजिस्ट्रेट (ठ्ठरू) की पत्नी को दी जा रही थी। कोर्ट ने कहा था कि क्यों सिर्फ डीएम की पत्नी को अध्यक्ष बनाया जाता है?

कोर्ट ने पूछा, यह नेतृत्व क्षमता या सामाजिक सेवा के आधार पर क्यों नहीं होता? कोर्ट ने यह भी देखा कि रेड क्रॉस सोसाइटी और चाइल्ड वेलफेयर सोसाइटी जैसी संस्थाओं में भी यही परंपरा थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह एक औपनिवेशिक मानसिकता है, जिसमें नौकरशाहों की पत्नियों को विशेष पदों पर रखा जाता है। यूपी सरकार को सहकारी समितियों, ट्रस्टों और सोसाइटी से जुड़े सभी कानूनों में संशोधन करने के निर्देश दिए गए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि कोई संस्था सरकारी वित्तीय सहायता प्राप्त कर रही है, तो उसे सरकार के नए मॉडल बॉयलॉज का पालन करना होगा, अन्यथा उसे कानूनी पहचान और सरकारी सहायता से वंचित किया जा सकता है। यूपी सरकार ने बताया कि संशोधन का मसौदा तैयार किया जा रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि इन संस्थाओं का संचालन लोकतांत्रिक रूप से चुने गए सदस्यों द्वारा हो।

RNI : UPHIN/2012/45286

शकुन टाइम्स

निष्पक्ष खबरें निर्भीक आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (प्रिन्ट एवं डिजिटल मीडिया)

YouTube shakuntimes

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश के सम्पूर्ण जिले में तहसील और ब्लाक स्तर पर संवाददाता की

प्रिन्ट एवं डिजिटल मीडिया

यदि आप भी समाज में फैले हुए भ्रष्टाचार के विरूद्ध उठाना चाहते है आवाज़ तो शकुन टाइम्स दे रहा है आपको एक बेहतरीन मौका

अधिक जानाकरी के लिए

अपना नाम व जिला हमें

WhatsaApp करें

9935781155, 9415052283

गरीबों का सहारा बने साल्वेशन हॉस्पिटल: डॉ. विवेक श्रीवास्तव

शकुन टाइम्स संवाददाता

बक्शा /जौनपुर। ण्ड अंतर्गत मोहम्मदपुर गांव जहां पर आज मंगलवार को साल्वेशन हॉस्पिटल कंधरपुर जौनपुर के द्वारा निशुल्क मैडिकल जांच कैम्प का आयोजन किया गया । स्वर्गीय दादा आली बैरम खां पूर्व ब्लॉक प्रमुख आजमगढ़ की पुण्यतिथि पर आज साल्वेशन हॉस्पिटल के द्वारा निशुल्क जाँच एवं परामर्श शिविर एवं दर्जनों आयुष्मान कार्ड बनाये गए। आंख, दांत व फिजियोथैरेपी की सम्पूर्ण जांच निशुल्क कर के सैकड़ो मरीजों को निशुल्क दवा दिया गया।

डॉ विवेक श्रीवास्तव एम डी फिजिशियन से बात करने पर बताये की 35 से 40 मरीज ऐसे मिले जिनको सुगर ज्यादा पाया गया लेकिन मरीजो को कुछ पता ही नही था ऐसे मरीजो को दवा देकर खाने पीने पर विशेष ध्यान देने का सलाह दिया गया। कई मरीज हर्निया के पाए गए जिनका आयुष्मान कार्ड से निशुल्क सभी जांच करवा के ऑपरेशन करवाने की बात कही और बताया कि साल्वेशन हॉस्पिटल में आयुष्मान कार्ड से सभी इलाज किया जाता और सभी सुविधा दिया जाता है।

डॉक्टर विवेक श्रीवास्तव के साथ डॉ डोली यादव नेत्र रोग स्पेशलिस्ट,डॉ प्रियंका श्रीवास्तव वी ए एम एस स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ उज्ज्वला वी डी एस दन्त रोग विशेषज्ञ, डॉ दुर्गेश मिश्रा फील्ड मैनेजर साल्वेशन हॉस्पिटल, सानिया , गूंजा रीमा दीपक चौहान विशाल और साल्वेशन हॉस्पिटल के तमाम पदाधिकारी गढ़ साथ साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

हम सब ने ठाना है अपना दल का परचम लहराना है: विधायक डॉ. आर पटेल

शकुन टाइम्स संवाददाता

नेवढ़िया/ जौनपुर। मड़ियाहूं अपना दल (एस) जिला कार्यालय में नवनियुक्त पदाधिकारी सम्मान समारोह का कार्यक्रम किया गया द्यजिसके मुख्य अतिथि मड़ियाहूं विधायक डा.आर.के. पटेल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लालबहादुर पटेल ने किया तथा संचालन युवा मंच जिलाध्यक्ष योगेंद्र पटेल ने किया द्य विधायक डॉ आर पटेल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत कियाद्य दस नये लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई और कहा कि सभी लोग मजबूती के साथ लगकर संगठन को और मजबूत बनाये। विधायक ने कहां हर चौराहों पर,गांव में,गली-गली,मोहल्लों में जाकर के पार्टी का प्रचार प्रसार करें लोगों को अपने साथ जोड़े तभी हमारे नेता माननीय बहन अनुप्रिया जी का सपना साकार हो सकता हैद्य राजनाथ पटेल ने सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी की शपथ दिलाई। जिला पंचायत सदस्य ललई सरोज ने सभी कार्यकर्ताओं को गाव में चौपाल लगाकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की बात कही और जिलाध्यक्ष लालबहादुर ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

और कहा कि सभी मंचों के जिलाध्यक्ष अपनी कमेटी बनाकर संगठन को मजबूत करें। कार्यक्रम में जिला मीडिया प्रभारी चन्द्रशेखर पटेल,राजेश तिवारी,डा.मनीष यादव, मुक्तेश्वर पटेल,चद्रशेखर यादव,दया पटेल,नितेश पाठक,संजू पटेल, चांदनी सरोज,सरोजा देवी,रेखा पांडे,चंद्रकला देवी,रिंकी चौरसिया, कविता गौतम,सुनील पटेल, सोनू सिंह, सभाजीत पटेल, राकेश मिश्रा, अशोक पटेल,आशीष पटेल, सुधाकर पटेल,सार्जन पटेल,जमील शेख (जिलाध्यक्ष आई टी सेल),ऋषि जायसवाल,डा.अरुण पटेल,तूफानी पटेल,रवि गुप्ता,रवि पटेल,कमलेश सरोज,रहमत अली, कन्हैया पटेल,सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के अंत में सभी ने पूरी जोश और उत्साह के साथ अपना दल का शपथ अपना दल है मेरा दल जो बदलेगा मेरा कल, मेरे जीवन का हर पल तुझे समर्पित मेरा दल, शोषित पीड़ित वंचित का बल, सबसे अच्छा अपना दल द्य हम सब ने मिलकर ठाना है अपना दल को नंबर- वन बनाना है, हर चट्टी चौराहों पर अपना दल का परचम लहराना है, हम सब का बल अपना दल अपना दल शपथ लिया तथा अंत में जिला अध्यक्ष लाल बहादुर पटेल ने कार्यक्रम की समापन की घोषणा किया।

संक्षिप्त सामाचार

खेत पर गई किशोरी लापता, रिपोर्ट

औरैया (ब्यूरो)। अयाना थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि शनिवार शाम पांच बजे के करीब उसने 15 वर्षीय बेटी को खेत पर पानी देखने के लिए भेजा था। तब से बेटी वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जल्द ही किशोरी को बरामद किया जाएगा।

रुपये खर्च हो जाने पर किशोरी सहित लौट रहे युवक को पकड़ा

औरैया (ब्यूरो)। किशोरी को बहला कर ले गया युवक मंगलवार को रुपये खर्च हो जाने पर वापस लौट रहा था। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चौकी चौकी प्रभारी अवनीश कुमार व महिला सिपाही मीनू ने मंगलवार को थाना क्षेत्र निवासी शेरू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से 17 वर्षीय किशोरी को भी बरामद किया है। पुलिस की पूछताछ में शेरू ने बताया कि शनिवार की दोपहर 12 बजे के करीब वह गांव की ही किशोरी के साथ ग्वालियर मध्यप्रदेश चला गया था। रुपये खर्च हो जाने पर वह गांव लौट रहे थे। बता दें कि मामले में सोमवार को किशोरी की मां ने आरोपी शेरू के खिलाफ बेटी को बहला कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी शेरू को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा गया है।

सिग्नल ना मिलने से कंचौसी रेलवे स्टेशन पर खड़ी रहीं वंदे भारत एक्सप्रेस

औरैया (ब्यूरो)। दिल्ली-हावड़ा रेल रूट पर स्थित कंचौसी रेलवे स्टेशन पर नई दिल्ली से बनारस जा रही 22436 को कंचौसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर सिग्नल नहीं मिलने से रोका दस मिनट रोका गया। सिग्नल क्लियर होने के बाद ट्रेन को रवाना किया गया। वही पीछे आ रही 20176 आगरा कैंट बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस को डाउन मेल लाइन में करीब 5 मिनट तक रोका गया। स्टेशन अधीक्षक दरबारी कुमार ने बताया कंचौसी और झींझक रेलवे स्टेशन के बीच में ट्रेनों खड़ी होने वंदे भारत ट्रेनों को रोका गया था। ट्रैक किलियर होते ही ट्रेनों को गंतव्य की ओर रवाना किया गया।

बुलेट की टक्कर से वृद्ध किसान की मौत सड़क पार करते समय हुआ हादसा

बांदा। जनपद में 70 वर्षीय वृद्ध किसान की मौत हो गई। बबेरू में हुई इस घटना में बुलेट मोटरसाइकिल ने सड़क पार कर रहे वृद्ध को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान मुरवल गांव निवासी इंद्रपाल के रूप में हुई है। वह अपने भाई छत्रपाल की ससुराल फुल्लापुरवा से वापस लौट रहे थे। देर शाम को वह देहात करबई बस स्टॉप पर पहुंचे, जहां से उन्हें अपने गांव जाने के लिए बस पकड़नी थी। जैसे ही वह सड़क पार करने लगे, बबेरू की तरफसे आ रही बुलेट ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। भाई छत्रपाल के अनुसार, इंद्रपाल के कोई संतान नहीं थी और वह अकेले ही अपनी 10 बीघा जमीन पर खेती करके अपना जीवन यापन कर रहे थे। देहात कोतवाली प्रभारी आनंद कुमार ने बताया कि परिजनों की शिकायत पर बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल को कोतवाली में रखवा लिया गया है और मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

पिकअप ने साइकिल में मारी टक्कर,पत्नी की मौत, पति गंभीर

बांदा। बांदा में सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। कमासिन थाना क्षेत्र के भीति की रहने वाली सफीना अपने पति अंसार के साथ बैंक में केवाईसी कराने साइकिल से जा रही थीं। रास्ते में पीछे से आए एक लोडर ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को पहले कमासिन सीएचसी में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने के कारण दोनों को बांदा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद सफीना को मृत घोषित कर दिया। उनके पति अंसार का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने हादसे के बाद लोडर और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

अवैध खनन पर कार्रवाई,खनिज निदेशालय की सचिव ने 5 भंडारण स्थलों का निरीक्षण किया

उरई/जालौन। भूतत्व एवं खनिज निदेशालय की सचिव माला श्रीवास्तव ने जालौन और हमीरपुर जिले में अवैध खनन की जांच के लिए औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खनन क्षेत्र, भंडारण स्थल और चेक पोस्ट का दौरा किया। जालौन के गुढा सुरहती और दशहरी में स्थित 5 बालूध्मौरम भंडारण स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भंडारणकर्ता आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए, जिस पर सचिव ने नाराजगी जताई और खान अधिकारी को तुरंत दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कानपुर में जांच के दौरान बिना वैध दस्तावेजों के 3 ट्रकों को सीज किया गया। पूछताछ में पता चला कि ये वाहन बांदा और महोबा से अवैध रूप से खनिज का परिवहन कर रहे थे। इस मामले में दोनों जिलों के खनन अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सिद्धि ने मण्डल स्तरीय जूडो ताइक्वांडो प्रतियोगिता में हासिल की गोल्ड मेडल

शकुन टाइम्स संवाददाता

गौराबादशाहपुर /जौनपुर। वाराणसी मंडल जूनियर में जूडो ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जौनपुर जिले के तरफ से प्रदर्शन करने वाली धर्मापुर ब्लॉक क्षेत्र के मोहिउद्दीन पुर गांव निवासी सिद्धि निषाद ने गोल्ड मेडल जीता। बता दें कि वाराणसी में मंगलवार को वाराणसी मंडल जूनियर के अंतर्गत जूडो ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन था, जिसमें जनपद की तरफ से धर्मापुर ब्लॉक क्षेत्र के मोहिउद्दीन पुर गांव निवासी 12 वर्षीय सिद्धि निषाद प्रदर्शन करने गई थी। सिद्धि ने जिले की तरफ से बेहतर प्रदर्शन करते हुए इस वाराणसी मंडल जूनियर जूडो प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीत लिया। जिससे जनपद के साथ-साथ धर्मापुर ब्लॉक क्षेत्र का भी नाम रोशन हुआ। मंगलवार को सिद्धि जब वाराणसी से अपने घर मोहिउद्दीन पुर पहुंची तो प्रधान प्रतिनिधि अनिल यादव फौजी ने सिद्धि को पुष्प गुच्छ देकर और पुरस्कृत करते हुए गांव के तरफ से उसका स्वागत किया। प्रधान प्रतिनिधि अनिल यादव फौजी ने उसके पिता सुदर्शन निषाद से वादा किया कि वह हमेशा हर स्तर से सिद्धि के आगे बढ़ने में सहयोग करते रहेंगे।

विपरीत परिस्थितियों में जीवन जीने का कौशल सिखाता है रोवर्ष रेंजर्स : डा. अभय प्रताप सिंह

शकुन टाइम्स संवाददाता

सिकरारा /जौनपुर। माता प्रसाद आदर्श शिक्षण संस्थान भभौरी में आयोजित रोवर्ष/रेंजर्स एवं स्काऊट/गाइड पांच दिवसीय ट्रेनिंग शिविर के तीसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के प्रख्यात अस्थि रोग विशेषज्ञ डाक्टर अभय प्रताप सिंह ने कहा कि रोवर्ष/रेंजर्स के माध्यम से देश सेवा का भाव उत्पन्न होता है।

साथ ही साथ इसके माध्यम से हम विपरीत परिस्थितियों में भी जीवन जीने का कौशल सीखते है,शिक्षण संस्थान के प्रबंधक प्रोफेसर समर बहादुर सिंह ने कहा कि रोवर्ष/रेंजर्स छात्र छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाता है और समाज सेवा के प्रति हमेशा तत्पर रहता है ,डी0 वो0 सी0 स्काउट/गाइड राकेश कुमार मिश्र ने ट्रेनिंग के अगले दिन की रूपरेखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रतिनिधि पूर्व सांसद ओम प्रकाश सिंह ने किया। संचालन राकेश कुमार मिश्र ने किया।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ0 सीमा सिंह,डॉ0 आनंद कुमार सिंह,प्रधानाचार्य विजय प्रताप सिंह,डॉ0 तिलक राज सिंह,शिव प्रताप सिंह,सुरेंद्र प्रताप यादव,वीरेंद्र सिंह,संतोष यादव,सूरज सिंह,संजय कुमार,राजेश सिंह,अजय चौहान आदि उपस्थित रहे।

भगवान से बड़ा कोई साथी नहीं : आत्मानंद सरस्वती जी महाराज

पांचवें दिन गजेंद्र मोक्ष,समुद्र मंथन के साथ ही प्रभु के मोहिनी अवतार व श्री कृष्ण जन्म की सुनाई गई कथा

श्रीमद् भागवत कथा में कृष्ण जन्म पर झूम उठे श्रद्धालु

पांचवें दिन श्रीमद् भागवत कथा सुनने उमड़ी कथा प्रेमियों की भारी भीड़

शकुन टाइम्स संवाददाता

सरेनी/रायबरेली। विकासखंड सरेनी स्थित ग्राम पूरे बचरी मजरे सागर खेड़ा गांव में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन मंगलवार को भगवान का महत्व समझाया गया।मंगलवार को पांचवें दिन गजेंद्र मोक्ष,समुद्र मंथन के साथ ही प्रभु के मोहिनी अवतार व श्री कृष्ण जन्म की कथा सुनाई गई। कथावाचक श्री श्री 108 आत्मानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि भगवान से बड़ा कोई साथी नहीं है।भागवत में चार वर्ण हैं।भ अर्थात भक्ति देने वाला,ग अर्थात तप का फल देने वाला,यह महापुराण है।उन्होंने गजेंद्र मोक्ष की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि गजेंद्र ने अपने पारिवारिक बंधुओं सहित सारा जीवन व्यतीत कर दिया किंतु अंत समय में ईश्वर के अतिरिक्त किसी ने उसका साथ नहीं दिया। उसी प्रकार लोगों को परिवार में रहते हुए भी ईश्वर स्मरण बनाए रखना चाहिए,तभी मुक्ति प्राप्त हो सकती है।देवताओं ने असुरों से मिलकर समुद्र मंथन कर अमूल रत्न प्राप्त किए थे। उसी प्रकार हमें भी अपने समुद्र रुपी जीवन का मंथन कर सद्गुण रूपी अमूल्य रत्न को ग्रहण करना चाहिए। भगवान सदाशिव ने सबको आनंदित करने वाले रत्नों की उपेक्षा करते हुए जनमानस को कष्ट पहुंचाने वाले विष को ग्रहण कर विश्व का हित किया था।उसी प्रकार हमें भी दूसरों के कष्टों को ग्रहण करना चाहिए।श्री आत्मानंद जी महाराज ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा भी सुनाई।उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण को पृथ्वी पर बढ़ रहे पाप को मिटाने के लिए श्रीवासुदेव व देवकी के घर अवतार लेना पड़ा।

भगवान को पुत्र रूप में प्राप्त करने से पूर्व देवकी को अपने प्रथम सात पुत्रों को त्यागना पड़ा।श्री स्वामी जी ने बताया कि किस तरह देवकी के गर्भ से आठवीं संतान के पैदा होने के बाद वासुदेव जी महाराज भगवान कृष्ण को बदलकर उनकी जगह पर योग माया को लेकर आए। भगवान कृष्ण को गोकुल में यशोदा मैया की गोद में देकर आ गए।यशोदा मैया की गोद में तो कन्या पैदा हुई थी। भगवान की लीला हुई,वासुदेव जी को आकाशवाणी से हुक्म हुआ की लाला को नंद बाबा के घर यशोदा मैया के पास छोड़कर कन्या को लेकर वापस कंस की जेल में आना है। नंदलाल के पैदा होने की खुशी में नंद बाबा के यहां उत्सव शुरू हो गया। बधाई देने वालों का तांता लग गया। इधर कंस को जब पता चला कि देवकी के आठवां बच्चा पैदा हो गया है।उन्होंने बच्ची को मारने की जब कोशिश की तो वह योग माया का रूप लेकर आकाश में चली गई। वहां उसने भविष्यवाणी की की तेरे मारने वाला तो गोकुल में पैदा हो गया है। कंस ने सभी नए जन्में बच्चों को मारने के लिए पूरी कोशिश की परंतु वह किसी भी तरह भगवान कृष्ण का बाल भी बांका का नहीं कर पाया।ईश्वर की प्राप्ति से पूर्व हमें काम,क्रोध,लोभ,मोह,मद अहंकार का त्याग करना पड़ेगा।इस दौरान श्रद्धालुओं ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया और झांकी का आनंद उठाया। इस अवसर पर रमेशचंद्र लाभ कमाया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल में जिला मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शकुन टाइम्स संवाददाता

औरैया (ब्यूरो)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल में ब्लॉक प्रमुख रजनीश पांडे की अध्यक्षता में जिला मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य मानसिक रूप से अस्वस्थ मरीजों का शारीरिक परीक्षण कर उचित सलाह व इलाज करना है। इस शिविर में डॉक्टर विशाल दुबे एम बी बी एस, डॉक्टर अंशु एम बी बी एस, बी ए एम एस डॉक्टर दिलीप जोशी, डॉक्टर रवि और डॉक्टर ओमवीर आदि ने करीब दो सैकड़ा मरीजों के मानसिक स्वस्थ का परीक्षण किया गया। इस मौके पर आशाराम राजपूत भाजपा नेता, अधीक्षक अवनीश कुमार, महिला काउंसलर नुपुर, स्वस्थ शिक्षा अधिकारी गिरेंद्र, अनिल,अमित सेंगर, प्रशांत दुबे, दीपक सेंगर आदि

एसडीएम से पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार

शकुन टाइम्स संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। बृजेश कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद मोर्य निवासी ग्राम सलेथू थाना महराजगंज जिला रायबरेली ने उपजिला अधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि प्रार्थी की भूमि स्थित ग्राम सलेथू की गाटा संख्या 385 दर्ज संक्रमणीय कागजात है उक्त भूमि पर प्रार्थी मकान का निर्माण करवा रहा था परंतु तभी विपक्षी राम प्रकाश साहू पुत्र कन्हाई महादेव पुत्र सुंदर की पत्नी शिवकली पत्नी रामनरेश चंद्र पाल पुत्र दुलारे की पत्नी रामचंद्र पुत्र दुलारे आशीष पुत्र चंद्रपाल रामचंद्र की पत्नी प्रार्थी को भद्दी भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए कहा कि तुम इस जमीन पर मकान नहीं बना सकते अगर तुमने ज्यादा होशियारी की तो तुम्हारे ऊपर हरिजन एक्ट लगवा दूंगा। अभी बच्चे विपक्षीगण बड़े ही दबंग व सरंहग किस्म के व्यक्ति हैं प्रार्थी को मकान बनाने नहीं दे रहे हैं । प्रार्थी को आए दिन प्रताड़ित करते रहते हैं जबकि प्रार्थी अपने ही गाटा नंबर पर मकान का निर्माण करवा रहा उक्त मामले को लेकर विपक्षी उपरोक्त ने पुलिस को सूचना दी परंतु पुलिस ने किसी को कुछ नहीं कहा विपक्षी बड़े ही सरगही से पत्थरों व लाठियां से प्रार्थी के परिवार वालों को मारने पीटने पर आमादा हो रहे

न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह का हुआ आयोजन

शकुन टाइम्स संवाददाता

महराजगंज / रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल, सलेथू , महराजगंज, रायबरेली में इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक प्रबंधक डॉज़ शशिकांत शर्मा ,प्रधानाचार्य एन एस पी एस त्रिपुला एसज़्एलज़्प्रजापति , प्रधानाचार्य एन.एस.बी.वी.एम. रायबरेली टी.के.सिंह , प्रधानाचार्य सलेथू राजीव सिंह एवं उप - प्रधानाचार्या रजनी श्रीवास्तव के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। सरस्वती मां की पूजा के पश्चात कक्षा-11 के छात्र- छात्राओं ने सभी गणमान्यों, शिक्षक - शिक्षिकाओं एवं कक्षा -12 के छात्र- छात्राओं को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर कक्षा -11 के छात्र- छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्यराजीव सिंह ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वचन दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन कक्षा -11 की मुस्कान सिंह ,अनन्या वर्मा,शुभी सिंह, दिव्या अवस्थी,विनायक दीक्षित,सुमित सरोज के द्वारा किया गया। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में सर्वप्रथम आयुषी,अंशिका,अन्नू, आकांक्षा,अनुष्का के द्वारा सभी गणमान्यों व अन्य सभी का स्वागत गीत के माध्यम से उनका स्वागत व अभिनंदन किया, अंशिका के द्वारा सोलो गीत व समीक्षा ,आयुषी,अनन्या के द्वारा ग्रुप डांस प्रस्तुत किया गया साथ ही शुभी व दिव्या के द्वारा एक्ट प्रस्तुत किया गया। कक्षा -12 के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ कक्षा-11 के विद्यार्थियों द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी को स्मृति चिन्ह व टाइटल भेंट कर विदाई दी गई। इसी क्रम में कुछ छात्र व छात्राओं को पूरे- वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रदर्शन के लिए मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया जिनमें - बेस्ट पर्सनैलिटी मेल - अभिनव,बेस्ट पर्सनैलिटी फीमेल- सोनाक्षी, स्टूडेंट- ऑफ द ईयर-गगन, स्टार परफॉर्मर ऑफ कल्चरल एक्टिविटी अवार्ड अनुष्का, पेरेनियल स्टूडेंट अवार्ड अदिति,अनुष्का, सोनाक्षी, अमन, ओम आधार, सक्षम, वेदांत, अंकिता, सानिया,गरिमा,अंशिका, प्रिंशू, आयुष,आदित्य,अंकुश, महफूज़, आगाज, श्याम, सुधीर, दर्शिका,कशिश,अंश,अंकित, अश्मित, अजीत,महरूख, पंखुड़ी, सुधांशु, आशीष, प्रत्युष,नीलम व 100त्न अटेंडेंस अवार्ड - कशिश, सक्षम,यश,अंकिता, अनुष्का, हिमांशी, महफूज़,पारुल को दिया गया। तत्पश्चात कक्षा -12 के छात्रों द्वारा प्रबंधक महोदय को स्मृति-चिन्ह भेंट किया गया। इस मौके पर प्रबंधक डा0 शशिकांत शर्मा ने अपने संबोधन में बच्चों का उत्साहवर्धन एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि परिश्रम ही हमें सफलता की मंजिल तक पहुंचाता है इसलिए हमेशा परिश्रम करते रहना चाहिए, शिक्षा ही वह सफलता की कुंजी है जो हर खुशियों के द्वार को खोल देती है, उम्मीद करता हूं कि आगे भी आप सभी ऐसी ही लगन और मेहनत से अपने सभी कार्य करते रहेंगे और आगे चलकर नई -नई ऊंचाइयों को स्पर्श करेंगे और साथ ही इस स्कूल का नाम भी रोशन करेंगे। आप सभी को हम सब की तरफ से आने वाले सुनहरे भविष्य के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक - शिक्षिकाएं व छात्र- छात्राएं

पुलिस चौकी के पास युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लगाई आग, लखनऊ रेफर

शकुन टाइम्स संवाददाता

बलरामपुर। जिले में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। शनिवार की रात करीब 10.30 बजे महदेया पुलिस चौकी के पास एक युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लाग ली। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसे बचाने के चक्कर में पुलिस चौकी पर तैनात दीवान औरंगजेब भी झुलस गया। पुलिस ने उसे जिला संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंची। वहां हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कॉलेज लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। मामला श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के मुजहनी गांव का है। गांव निवासी अनिल कुमार यादव उर्फ टिंकू (30) शनिवार रात करीब 8 बजे घर निकला था। रात करीब 12 बजे पुलिसवाले घर आए। बताया कि अनिल को चोट लगी है। घर में उसकी बुआ सोना देवी थीं। करीब 12.30 बजे चार पहिया से पुलिस आई। बुआ को यह बताकर लेकर चली गई, कि अनिल झुलस गया है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अनिल की भाभी मंजू देवी ने बताया कि लखनऊ से किसी का फोन रविवार को आया कि उनकी बुआ और देवर अनिल मेडिकल कॉलेज में हैं। अनिल ने तेजाब डाल लिया है। वह गले तक झुलस गया है। उसका इलाज चल रहा है। सब ठीक है। आप परेशान न हों। बुआ साथ में हैं। बुआ सोना देवी से बात करा दी। अनिल की भाभी ने इतना जरूर बताया कि किसी बात को लेकर अनिल शनिवार की रात घर से बाहर गया था। अनिल की शादी हुई थी, लेकिन उसकी पत्नी साथ छोड़कर चली गई है। चार साल का बेटे की देखभाल वही कर रहा है। उसके माता-पिता का भी निधन हो चुका है। पत्नी के मामले से वह काफी परेशान रहता था। अनुमान है कि वह पत्नी के मामले में ही पुलिस के पास गया था, या कोई और बात है। पुलिस के मुताबिक अनिल ने पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट एक साल पहले दर्ज कराई थी, जिसमें उसकी पत्नी को बरामद कर एसडीएम न्यायालय पर पेश किया गया। जहां पर पत्नी के बयान पर कार्रवाई हुई थी, उसमें उसकी पत्नी दूसरे वाले व्यक्ति के साथ ही चली गई थी।

पुलिस उपाधीक्षक उतरौला राघवेंद्र सिंह ने बताया कि पत्नी के विवाद तो था ही, अनिल का एक व्यक्ति वहीद से भी कुछ दिनों पहले विवाद हुआ था। जिसमें शिकायत पर रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी। पत्नी से विवाद के बाद से अनिल अवसाद में रहता था, पुलिस चौकी से 100 मीटर दूरी पर उसने पेट्रोल छिड़क कर आग लगाई है।

मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे बचाने का प्रयास किया, एक दीवान भी झुलस गया है। युवक करीब 12 फीसदी झुलस गया है। उसका मेडिकल कॉलेज में इलाज कराया जा रहा है। उसके ठीक होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि युवक के झुलसने के मामले में पुलिस को उसके इलाज का निर्देश दिया गया है। पूरे मामले की रिपोर्ट सीओ से मांगी गई है। बताया जा रहा है कि युवक पत्नी के साथ छोड़ जाने से अवसाद में था और नशे का आदी हो गया था।

धूमधाम से मनाई गई स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की जयंती

शकुन टाइम्स संवाददाता

कैंप्पियरगंज /गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के विकास पुरुष एवं जन-जन के नेता पूर्व मुख्यमंत्री एवं संचार मंत्री भारत सरकार स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह जी के 90 वे जन्मदिन के अवसर पर कैंपियरगंज चौराहे पर स्थित प्रतिमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण किया गया। 19 वर्ष की अवस्था में ही जिला युवक कांग्रेस कमेटी गोरखपुर के महासचिव पद पर आसीन रहे तथा 32 वर्ष की अवस्था में ही सन 1967 में पहली बार विधायक बने तथा निरंतर उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री पद पर आसीन रहे तथा 25 सितंबर 1985 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने सन 1988 तक मुख्यमंत्री रहे उसके बाद वे संचार मंत्री भारत सरकार के पद पर रहे वे कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता से अपने जीवन काल में परिश्रम करके संगठन को मजबूत कर राजनीतिक शिखर पर पहुंचे वे यह साधारण परिवार से थे तथा जन जन के नेता थे। इस मौके पर समर्थकों द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अमर रहे जय जयकार के साथ माल्यार्पण किया गया।

संक्षिप्त सामाचार

मारपीट के मामले में 20 दिन का कारावास

महराजगंज। सत्ताइस वर्ष पूर्व फरेंदा कोतवाली क्षेत्र के उदितपुर गांव में मारपीट के मामले में न्यायालय ने 20 दिन का अतिरिक्त सजा सुनाया। मंगलवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट फरेंदा अखिल कुमार रिझावन ने उक्त निवासीगण गुल्लु उर्फ गुल मोहम्मद, महेंद्र, अब्दुल अजीज उर्फ बेचई के विरुद्ध दोषी करार देते हुए एक दिन की न्यायिक अभिरक्षा एवं एक- एक हजार अर्थ दंड न देने पर 20 दिवसीय अतिरिक्त कारावास की सजा बढ़ा दी है। मामले में वादी बुद्धिराम निवासी फरेंदा के पत्र पर पुलिस ने 3 जुलाई 1998 को मुकदमा दर्ज किया था।

10 बोटा लकड़ी बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

श्रावस्ती। एसएसबी व वन विभाग की टीम को देर रात बड़ी सफलता मिली। संयुक्त टीम ने जंगल से अवैध कटान कर ले जाई जा रही 10 बोटा लकड़ी के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसएसबी ने बरामद लकड़ी व आरोपी को वन विभाग को सुपुर्द कर दिया। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की सीमा चौकी गुज्जरगौरी के एसएसबी अधिकारियों को रविवार देर रात मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति साइकिल पर अवैध कटान की लकड़ी लादकर जा रहा है। सूचना पश्चिमी सोहेलवा रेंज से साझा की गई। साथ ही एसएसबी के सहायक कमांडेन्ट पियूष सिन्हा के नेतृत्व में टीम गठित कर कार्रवाई का निर्देश दिया गया। जिसके बाद एसएसबी व वन विभाग की संयुक्त टीम ने सीमा पिलर संख्या 631 से करीब डेढ़ किलोमीटर भारतीय क्षेत्र में नाकाबंदी की। कुछ देर बाद एक व्यक्ति साइकिल पर लकड़ी का बोटा लादकर आता दिखा। नजदीक पहुंचते ही टीम ने उसे पकड़ लिया। सख्ती से पूंछताछ कर उसकी निशानदेही पर टीम ने छह बोटा सागौन व 4 बोटा शीशम सहित कुल 10 बोटा लकड़ी बरामद कर लिया। आरोपी की पहचान मिराज अहमद निवासी ताल बघौड़ा थाना सिरसिया के रूप में हुई। एसएसबी जवानों ने पकड़ी गई लकड़ी, साइकिल व आरोपी को पश्चिमी सोहेलवा रेंज के वन चौकी बभनपुरवा के सुपुर्द कर दिया।

तीन दिन पूर्व भट्टे से मिले विधवा महिला के शव की पोस्टमार्टम में हत्या की हुई पुष्टि

गोण्डा। भट्ठे के खण्डहर में दो दिन पूर्व मिले महिला के शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या होने की पुष्टि के बाद पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर तीन दिन बाद जांच तेज करते हुए घटना स्थल पर फोरेंसिक व डॉग स्क्वायड टीम, एसओजी सहित पहुंचकर साक्ष्य संकलन किये है। बता दें कि जनपद खोडारे थानाक्षेत्र अंतर्गत बिछियाडाड ग्राम की निवासिनी विधवा संगीता देवी उर्फ आशा देवी 45 शनिवार दिन में गांव के बाहर एक भट्टे के पास लकडी लेने गयी थी। लेकिन देर शाम तक घर पर वापस न लौटने पर परिजनो ने ढूंढना शुरू किया लेकिन कही पता नही चला। ढूंढते- ढूंढते जब भट्टे के नजदीक पहुंचे तो मृतका के लडकी निशा को अपनी मां का शाल बाहर दिखाई पडा। इस बीच शाल मिलने पर परिजनो ने जब भट्टे के अन्दर खण्डहर में उतरकर देखा तो वह अन्दर पडी थी गले पर धारदार हथियार से हमलाकर हत्या की गयी थी खून स्राव भी हो रहा था। इस बीच गांव में यह बात फैली गयी की लापता महिला भट्टे के अन्दर मिल गयी है। काफी लोगो की भीड इकट्ठा हो गयी। परिजन सहित ग्रामीण तत्काल नजदीकी कस्बा बभनान लेकर पहुंच एक प्राइवेट हास्पिटल में महिला को भर्ती कराते की डाक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया।शव को घर लेकर पहुंचे परिजनो ने तत्काल पुलिस को सूचित किया। सूचना पर खोडारे थाना प्रभारी निरीक्षक प्रबोध कुमार मौके पर पहुंच जांच शुरू की परिजनो सहित मृतका के मायके के लोगो ने उनसे बताया की हत्या कर शव भट्टे के अन्दर फेका गया है।

सपा नेता ने मृतक धर्मात्मा निषाद के बिटिया की पढ़ाई का जिम्मा लिया

शकुन टाइम्स संवाददाता

महराजगंज। फरेंदा विधानसभा के वरिष्ठ सपा नेता अमित चौबे ने इंसानियत और मानवता का परिचय देते हुए मृतक धर्मात्मा निषाद के बिटिया की पढ़ाई का जिम्मेदारी उठाया है। दरअसल पनियरा विधानसभा के निवासी धर्मात्मा निषाद राजनीतिक नेताओं के प्रताड़ना से तंग आकर फेसबुक और व्हाट्सएप पोस्ट करके बीते रविवार को सुसाइड कर लिया था।

मृतक के पास एक मासूम बच्ची हैं।उन्होंने परिवारजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का अश्वासन दिया। अंत में उन्होंने कहा कि धर्मात्मा निषाद परिवार का गौरव व होनहार युवा नेता था, जों राजनौतिक नेताओं के फर्जी मुकदमे के कारण शिकार हो गया। उन्होंने प्रदेश सरकार के मंत्री डॉक्टर संजय निषाद एवं उनके दोनों पुत्रों पर धर्मात्मा के आत्महत्या का आरोप लगाया है। योगी सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग की एवं मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी और 50 लाख रुपए मुआवजा की मांग किया हैं।

डीएम ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक में खराब रैंकिंग पर लगाई फटकार, दिए निर्देश

शकुन टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। सोमवार को जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में चल रही विकास कार्यक्रमों के योजनाओं के रैंकिंग की कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की। उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से विभागवार योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने एनआरएलएम विभाग, जल निगम विभाग, फैमिली आईडी, पंचायत विभाग, विद्युत विभाग, पर्यटन विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, समाज कल्याण विभाग, प्रोवेशन विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, सिंचाई विभाग आदि विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों से सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रहे एनआरएलएम विभाग, पंचायती राज विभाग, जलजीवन मिशन, पीडब्ल्यूडी विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान तथा पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि कार्यों का शतप्रतिशत कार्य करते हुए फीडिंग कराकर रैंकिंग में सुधार लायें अन्यथा विभागीय कार्यवाही की जायेगी। समीक्षा बैठक के दौरान सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी लोग अपने-अपने विभागों की सीएम डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों/ योजनाओं की बराबर समीक्षा करते रहें, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विभाग की रैंकिंग खराब न होने पाए, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा है कि निरंतर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहें और अपने विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें, निर्धारित समय अवधि में निस्तारण करें। कहा कि संबंधित विभाग सीएम डैशबोर्ड को गंभीरता से लें। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग छोटी से छोटी कमी पर ध्यान देते हुए अपनी रैंकिंग में सुधार लाएं। बैठक के दौरान पर्यटन विभाग की खराब प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था एक्सईएएन आवास विकास का वेतन रोकने के निर्देश दिये हैं। साथ ही बिना किसी सूचना के बैठकों में अनुपस्थित रहते हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, प्राभागीय वनाधिकारी पंकज कुमार शुक्ल, डीपीआरओ, जिला प्रोवेशन अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, सहायक पर्यटन अधिकारी वन्दना पाण्डेय, नेडा विभाग, सिंचाई विभाग सभी संबंधित विभाग के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार डीसीएम ने छात्रा को मारी टक्कर, मौत

श्रावस्ती। यूपी के नेशनल हाइवे पर रफ्तार का कहर जारी है। सोमवार को एक बार फिर से रफ्तार का कहर देखने को मिला और तेज रफ्तार डीसीएम ने जगत जीत इंटर कॉलेज के सामने नेशनल हाइवे 730 पर सड़क पार कर रही 11वीं की छात्रा की जान ले ली। प्रत्याक्षदर्शियो के मुताबिक श्रावस्ती में सोमवार को साइकिल से विद्यालय जा रही छात्रा को तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। हादसा जगतजीत इंटर कॉलेज के सामने बौद्ध परिपथ पार करते समय हुई। बताया गया कि छात्रा कल्पना यादव (16) वर्ष मूल रूप से बहराइच जिले के पयागपुर थाना क्षेत्र के पिपरा पचदेवरा गांव की रहने वाली थी। वह जगतजीत इंटर कॉलेज में 16 किलोमीटर साइकिल चला पढाई करने आती थी। मृतक छात्रा कल्पना यादव इकौना के जगजीत इंटर कालेज में कक्षा 11 में पढ़ाई करती थी। सोमवार को वह साइकिल से विद्यालय आ रही थी।

वीर बहादुर सिंह ने पूर्वांचल को दी नयी पहचानः लक्ष्मण विश्वकर्मा

शकुन टाइम्स संवाददाता

पीपीगंज/गोरखपुर। स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह ने अपने विकास कार्यों के आधार पर पूर्वांचल को एक नई पहचान दी थी। उनके द्वारा चलाई गई कई विकास परियोजनाओं के कारण उन्हें आज भी याद किया जाता है. वीर बहादुर सिंह को पूर्वांचल का मसीहा के रूप में जाना जाता है . नगर पंचायत पीपीगंज के सभागार में स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की 90 वी जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए ये बाते पीपीगंज चेयरमैन लक्ष्मण विश्वकर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा . उन्होंने बताया कि वीर बहादुर सिंह के द्वारा राम मंदिर का ताला भी खुलवाया गया था.वीर बहादुर सिंह के बाद पूर्वांचल का सबसे ज्यादा विकास उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा किया जा रहा है .मंडल अध्यक्ष पशुपति नाथ अग्रहरि ने कहा कि स्व. वीर बहादुर सिंह एक जननेता थे.गरीबों और असहायों के उत्थान लिए उन्होंने आजीवन कार्य किया .कार्यक्रम में प्रमुख रूप से निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राकेश चौधरी,लाल जी विश्वकर्मा,शशिभूषण पासवान ,सभासद शनि जायसवाल, राघवेन्द्र सिंह,सिब्बन पासवान,अमरेन्द्र सहानी, राकेश अग्रहरि, प्रदीप छापड़िया,गुड्डू रावत,बृजेश मणि त्रिपाठी,श्यामधर द्विवेदी,सुरेश वरुण, अजय पांडेय आदि लोग उपस्थित रहें।

कनुआन गांव में होने वाले पंचायत उपचुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट, एसडीएम ने किया दौरा

शकुन टाइम्स संवाददाता

गाजीपुर। भांवरकोल थाना क्षेत्र के कनुआन गांव में 19 फरवरी को होने वाले पंचायत उपचुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया है। मंगलवार की शाम को उप जिलाधिकारी डॉ. हर्षिता तिवारी ने पुलिस फोर्स के साथ गांव में फ्लैग मार्च कर लोगों से निडर होकर मतदान की अपील की। उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति प्रलोभन या डरा धमकाकर वोट डलवाने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कनुआन गांव में निर्वाचित प्रधान की मृत्यु हो जाने से सीट खाली हो गई थी। जिस पर उपचुनाव हो रहा है। मतदान 18 फरवरी को सुबह 7 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक चलेगा। शांति व्यवस्था के लिए पूरे गांव में फ्लैग मार्च किया गया।मतदान के लिए गांव में दो मतदान केंद्र बनाए गए हैं,जिसमें पांच पोलिंग बूथ हैं। उप जिलाधिकारी ने मतदान केंद्र का निरीक्षण किया और संबंधित को

उन्होंने आवश्यक निर्देश दिए। फ्लैग मार्च में नायब तहसीलदार श्री भगवान पांडेय, थाना पदाधिकारी भांवरकोल विवेक कुमार तिवारी दलबल के साथ मौजूद रहे।

नकल विहीन परीक्षा कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः डीएम

शकुन टाइम्स संवाददाता

महराजगंज। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में 24 फरवरी से आरंभ होने जा रही यूपी बोर्ड परीक्षा के दृष्टिगत परीक्षा को सकुशल, शुचितापूर्ण ढंग से कराये जाने हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट/स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों के साथ जीएसवीएस इंटर कॉलेज में बैठक की गई ।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि बोर्ड परीक्षा बेहद अहम परीक्षा है और नकलविहीन परीक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कहा कि परीक्षा में तैनात सभी अधिकारी सतर्क और सक्रिय रहें क्योंकि छोटी सी भी गलती परीक्षा की शुचिता को प्रभावित कर सकती है। इसलिए सभी को विशेष रूप से संवेदनशील रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी केंद्रों पर पेय जल, साफ-सुथरे शौचालय की भी व्यवस्था हो और परीक्षा कक्षों में प्रकाश की समुचित व्यवस्था हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा के एक दिन पहले सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर यदि कोई कमी हो तो ससमय ठीक करा लें। उन्होंने डीआईओएस को शुक्रवार तक कंट्रोल रूम को सक्रिय करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी परीक्षा के संदर्भ में जारी निर्देशों का अध्ययन ठीक से कर लें और सभी निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित करें। इससे पूर्व डीआईओएस द्वारा सभी को सम्पूर्ण प्रक्रिया की और निर्देशों की जानकारी दी गई।

बैठक में उपजिलाधिकारी शिवाजी, प्राचार्य जीएसवीएस इंटर कॉलेज, सेक्टर/स्टैटिक मजिस्ट्रेट सहित परीक्षा केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

बढ़ रहें हैं समाज सेवियों के हाथ, दिया आर्थिक सहयोग

शकुन टाइम्स संवाददाता

गांगी बाजार/ महाराजगंज। विगत दो दिनों पहले रविवार को नरकटहा निवासी मृतक धर्मात्मा निषाद के द्वारा फंदे लगाकर आत्महत्या के बाद उनके घर पर समाज के लोगों द्वारा आर्थिक सहयोग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। समाज सेवी सुधीर साहनी ने उनकी पत्नी अंजली को 21000 हजार रूपए का आर्थिक सहयोग, एवम् आजमगढ़ जिले से चलकर आए अजमतगढ़ नगर पंचायत के प्रतिनिधि अजय साहनी ने 21000 हजार रुपए का चेक उनकी माता चंद्रजोता देवी को दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने समाज के लोगों से अपील किया कि निषाद समाज के संघर्षों का साथी जो अब हम लोगों के बीच नही है उनके परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए सभी लोग अगर एक एक रूपए दान करेंगे तब भी लाखों रुपए की सहायता हो जाएगी।

मीडिया सेल व थाना कोतवाली भिनगा पुलिस की सतर्कता से बची युवक की जान

श्रावस्ती। सोमवार को जिला पुलिस की सतर्कता से एक युवक की जान बच गई। एक युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था। एसपी कार्यालय से मिली सूचना के आधार पर बीती देर रात पुलिस मुख्यालय से जनपदीय मीडिया सेल को सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर आत्महत्या का संकेत देने वाला स्टेटस व स्टोरी पोस्ट किया है, जिसमें वह जहर को लाकर खाकर आत्मघाती कदम उठाने की बात कर रहा है। मीडिया सेल ने लोकेशन सहित पोस्ट की संपूर्ण एकत्र किया और सूचना मिलते ही मीडिया सेल प्रभारी शशि शेखर जरोरा व सोशल मीडिया निगरानी ड्यूटी पर तैनात आरक्षी रजत द्विवेदी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कस्बा चौकी प्रभारी वीरपाल सिंह तोमर को अवगत कराया। चौकी प्रभारी ने आनन-फानन में सक्रियता दिखाते हुए साथी पुलिस टीम के साथ 20 मिनट के अंदर ही बताई गई।

संगठन की ताकत से समाज का होगा उत्थान: कमलेश पासवान

शकुन टाइम्स संवाददाता

महाराजगंज। पासी स्वाभिमान एकता सम्मेलन जवाहर लाल पीजी कॉलेज के ग्राउंड में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि बांसगांव लोकसभा के सांसद व केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान रहे। पासी समाज के लोगों ने मुख्य अतिथि को गंदा, तलवार, पुष्प गुच्छ, माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

बांसगांव लोकसभा, गोरखपुर से लगातार चौथी बार भाजपा से सांसद बने केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने सर्व प्रथम डा0 भीमराव अम्बेडकर, बिजली पासी, स्वर्गीय ओमप्रकाश पासवान के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किए। केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि सर्व प्रथम मैं महराजगंज की धरती को प्रणाम करता हूं कि आप लोग मुझे इस योग्य समझे। मैं डाक्टर साहब भीमराव अम्बेडकर के पद चिन्हों पर चलते हुए आप सभी लोगों को इन्हीं के पद चिन्हों पर चलने के लिए कहना चाहता हूं। जब-तक पासी समाज के सभी संगठन के लोग एक होकर नहीं चलेंगे तब तक पासी समाज का उत्थान नहीं होगा। आप सभी लोग जब एक हो जाएंगे तो पासी समाज को आगे बढ़ाने से कोई नहीं रोक पाएगा। एकता में बहुत दम है और एकता से ताकत मिलती है। और कहे कि आज हम सब लोग यहां पर अपने समाज की आवाज को बुलंद करने के लिए हम सब इकट्ठा हुए हैं। गौरवशाली इतिहास के पन्नों में हमारा इतिहास गुम हो गया है। हमारा भविष्य राजा महाराजाओं का था हमारी उपाधि एक लड़ाकू के तौर पर देखा जाता था। एक संघर्षशील व्यक्ति के नाम पर दिया जाता था, हमें उपाधि दूसरों की रक्षा करने के लिए दिया जाता था। इतिहास की अगर हम जो बात करें संविधान रचयिता ना होते संविधान में महाराज की धरती पर आकर आपकी हौसलों को बुलंद करने का काम नहीं करता । मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद देता हूं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने महाराजा बिजली पासी के किले के उत्थान करने के लिए 20 करोड रुपए उत्तर प्रदेश को दिए। बाबा साहब के सम्मान की रक्षा बाबा साहब के स्वाभिमान की रक्षा बाबा साहब को किन लोगों ने उजागर करने का काम किया तो भारतीय जनता पार्टी ने किया। भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि हमारी पार्टी के लोगों ने इस कार्यक्रम को संविधान दिवस के रूप में मनाने का काम किया।सभा को कन्हैया पासवान,डा उमेश सरोज, ब्लाक प्रमुख रंजना पासवान, ब्लाक प्रमुख उषा पासवान,गीता रत्ना पासवान, प्रोफेसर भगवान दीन पासी ने संबोधित किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भीमसेन पासवान और संचालन राममिलन पासवान ने किया। इस अवसर पर समाज सेवक जितेंद्र उर्फ जीतू पासवान , अरविन्द पासवान , रामजगत पासवान ,डा एल.बी.प्रसाद,डा विवेक पासवान, राकेश पासवान,डा विनोद पासवान,श्रीराम पासवान, योगेन्द्र पासवान सहित पासी समाज के तमाम लोग उपस्थित रहे।

प्रभावी पत्रकारिता हेतु पत्रकार का निष्पक्ष होना जरूरी

पत्रकार की योग्यता और चरित्र सत्यापन हेतु सरकार उठाये कदम- डा. अनुराग सक्सेना

शकुन टाइम्स संवाददाता

गाज़ीपुर। पत्रकारिता के क्षेत्र में असामाजिक, अयोग्य व अपराधिक तत्वों की बढ़ती भीड़ से पत्रकारिता अपने मूल उद्देश्य से भटकती जा रही है जो लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। संकुचित मानसिकता के साथ ऐसे लोग सिर्फ अपनी स्वार्थ सिद्धि में लगकर पत्रकारों की मर्यादा तार-तार करते रहते हैं। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनुराग सक्सेना की अध्यक्षता में हुई वर्चुअल बैठक में इस पर गहरी चिंता जताते हुए पत्रकारों ने सरकार से इस पर रोक लगाने हेतु कड़े कदम उठाने की मांग की। राष्ट्रीय सलाहकार डा. ए. के. राय ने कहा कि सामाजिक हित को ध्यान में रखकर सरकार और प्रशासन से सवाल जबाव करना और समाज को उनके हक और अधिकार के प्रति जागरूक करना पत्रकार का धर्म है। इसके लिए एक योग्य पत्रकार में समाचार लेखन, संकलन और संपादन की जानकारी अति आवश्यक है, इसके बिना पत्रकार अधूरा ही होता है। आज अनेकों मीडिया संस्थान लोभ के वशीभूत ऐसे लोगों को भी पत्रकार का तमगा दे देते हैं जिनका पत्रकारिता से दूर दूर तक कोई सम्बन्ध नहीं होता। वक्ताओं ने पत्रकारिता के क्षेत्र में असामाजिक, अयोग्य व अपराधिक तत्वों की बढ़ती अनियंत्रित भीड़ पर नियंत्रण हेतु सरकार से कड़े कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार अब भी इस ओर विशेष ध्यान नहीं देगी तो पत्रकारिता का अस्तित्व संकट में पड़ जायेगा और पत्रकारिता की गरिमा धूल धूसरित होकर रह जायेगी। जर्नलिस्ट कौंसिल ऑफ़ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनुराग सक्सेना द्वारा मीडिया के क्षेत्र में बढ़ती असामाजिक व अयोग्य भीड़ पर कड़ी चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता के क्षेत्र में अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का बढ़ता दायरा पत्रकारिता के लिए नासूर और घातक बनता जा रहा है। ऐसे लोग अपनी आदतों और कारनामों को छिपाने, दबाने के लिए पत्रकारिता का चोला ओढ़कर लगातार पत्रकारिता की छवि को धूमिल कर रहे हैं। ऐसे लोग पत्रकार बनकर समाज में राजनैतिक लोगो के संपर्क के साथ अधिकारियों, कर्मचारियों पर रौब जमाकर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। इस पर रोक लगाने की सख्त जरूरत है। कहा कि जिस प्रकार जनसंपर्क विभाग मान्यता के लिए पत्रकारों का पुलिस वेरीफिकेशन करवाती है, उसी प्रकार सरकार यह नियम बनाये कि पत्रकारिता के क्षेत्र में आने वाले हर शक्स का पुलिस वेरिफिकेशन और चरित्र सत्यापन अवश्य हो। इसके साथ ही पत्रकार संगठनों के लिए भी अनिवार्य करें कि वे उन्हें ही सदस्य बनाए जो पत्रकार सदस्यता आवेदन फार्म के साथ पुलिस वेरीफिकेशन दें या स्वयं प्रमाणित करें कि उसके खिलाफ कोई अपराधिक प्रकरण नही है और नही कभी ऐसा अपराधिक मामला रहा है जिसमें उसे सजा हूई हो। इसी के साथ पत्रकार संगठनों को भी निर्देशित करे कि सही व्यक्ति को ही पत्रकार संगठन का सदस्य बनाया जाये, ताकि असल कलमकारों के साथ न्याय हो और समाज मे पत्रकारो को वह सम्मान मिले जिसके वह हकदार है। श्री सक्सेना ने सरकार से इस पर गंभीरतापूर्वक विचार करने का आग्रह किया ताकि पत्रकार व पत्रकारिता की छवि को बचाया जा सके। निर्णयोपरान्त इस पर न्याय संगत कार्रवाई हेतु संगठन द्वारा एक पत्रक देश के गृह मंत्री को भेजा गया। पत्रक में संगठन सरकार से पत्रकारिता के मूल उद्देश्य को बरकरार रखने हेतु पत्रिकारिता के क्षेत्र में आने वालों के लिए एक आवश्यक नीति निर्धारण करने और पत्रकार बनने से पूर्व उनका सामाजिक स्तर व पुलिस वेरिफिकेशन कर उनके चरित्र का सत्यापन कराने की मांग की गयी।

पीडीए जन चौपाल के तहत चर्चा में सरकार पर साधा निशाना

भाजपा देश और प्रदेश के लिए हानिकारक- महेंद्र राव

शकुन टाइम्स संवाददाता

चकिया/चंदौली। शिकारगंज (चकिया) केंद्र और राज्य सरकार अपने नाकामियों और एक गलती को छुपाने के लीए कर रही अनेकों अनुचित कार्य आपको बताते चले के समाजवादी पार्टी के मुखिया माननीय पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में चलाए जा रहे पीडीए चर्चा कार्यक्रम के माध्यम से गाँव गांवा जाकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा पीडीए जन चौपाल लगा कर बाबा साहब के बारे में बताया जा रहा है और उनके कार्यों और उनके संघर्षों पर चर्चाएं की जा रही है ताकि पिछड़ा , दलित, अल्पसंख्यक जो अभी तक अंधेरे में जीवन जी रहा है वो उजाला में आ सके, सोमवार को जागेश्वरनाथ में पीडीए चर्चा कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने अपने विचार विमर्श रखे कि भाजपा सरकार कैसे काम कर रही है, इसी दौरान सभा को संबोधित करते हुए पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र राव ने कहां की अगर अब भी हमारा पीडीए समाज नींद से नहीं जागा तो आने वाले समय में ये भाजपा सरकार की नीति पर काम कर रही है सभी को पता है , अभी तो कुछ राज्यों में पढ़ने का अधिकार छीना गया है, अगर ऐसे ही चलता रहा तो वो दिन दूर नहीं है जब मनुवादी सरकार संविधान को बदलकर रख देगी फिर उसके बाद कोई भी साथ नहीं देगा और ना ही किसी को आवाज उठाने की इजाजत होगी इस लिए आज हम पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक ये कसम खाए कि आने वाले विधान सभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से भाजपा को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे और 2027 में माननीय अखिलेश यादव जी को यूपी का मुख्य मंत्री बनाने का काम करेंगे , इस दौरान संचालन कर रहे मुस्ताक अहमद, विधान सभा अध्यक्ष प्रभु नारायण यादव , पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र राव, विनोद यादव, लालू यादव, कमलेशपति मौर्य ,जमील अहमद , गीता यादव,टोनी खरवार, प्रेम नारायण यादव कमला देवी इत्यादि तमाम लोग उपस्थित रहे।

सकलडीहा पीजी कालेज में नकल करते 21 परीक्षार्थी पकड़ाए

प्राचार्य ने सभी को किया रस्टीकेट

शकुन टाइम्स संवाददाता

सकलडीहा/चंदौली। पीजी कॉलेज सकलडीहा चंदौली में प्राचार्य प्रो.प्रदीप कुमार पांडेय द्वारा गठित आंतरिक उड़ाका दल की टीम ने गहन जांच में कुल 21 नकलची को नकल करते हुए पकड़ रिस्टीकेट किया। जिसमें यमुना देवी महाविद्यालय के 19 परीक्षार्थी एवं स्वामी शरण महाविद्यालय के 2 परीक्षार्थी नकल करते हुए पकड़े गए। केंद्राध्यक्ष प्रोफेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय केंद्र पर स्नातक स्नातकोत्तर एवं बीएड का केंद्र बनाया गया है। आज बीएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा हेतु यमुना देवी महाविद्यालय बलुआ एवं यमुना देवी महिला महाविद्यालय बढ़वलडीह, स्वामी स्वामी शरण महाविद्यालय कमालपुर, एवं सकलडीहा पीजी कॉलेज सकलडीहा चंदौली की परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे थे। जिसमे 21 नकलची पकड़े गए।सभी को उड़ाका दल की टीम ने रिस्टीकेट कर दिया। प्रोफेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने बताया कि किसी भी कीमत पर परीक्षा की सुचिता एवं पवित्रता भंग नहीं होने दी जाएगी। महाविद्यालय अपने गरिमा के अनुरूप एवं उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप और विश्वविद्यालय परीक्षा नियमावली के अनुसार ही परीक्षा कराने के लिए बाध्य है। प्राचार्य ने परीक्षार्थियों को सूचित किया कि परीक्षार्थी सिर्फ अपने प्रवेश पत्र और लेखन सामग्री के अलावा कुछ भी पास न रखें।

शेरपुर में 33/11 केवीए पावर हाउस के मांग पर अधिकारियों ने किया निरीक्षण

शकुन टाइम्स संवाददाता

गाजीपुर। मुहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र के शेरपुर पंचायत में 33/11 केवीए पावर हाउस के मांग पर विद्युत विभाग के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण करके स्थान सुनिश्चित किया। विगत तीनों ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा से मिला था और पावर हाउस की मांग की थी।

वाराणसी से आई टीम के साथ गाजीपुर विद्युत वितरण खंड 2 के अधिशासी अभियंता आशीष कुमार शर्मा के साथ अधिकारियों ने स्थान को दिखा। शेरपुर क्षेत्र में लंबे समय से बिजली आपूर्ति की समस्या बनी हुई है। बिजली कटौती, लो वोल्टेज और अनियमित आपूर्ति की शिकायतें आम हैं और ग्रामीणों की भारी फजीहत हो रही है। उपखंड अधिकारी मुहम्मदाबाद अमित कुमार राय ने बताया कि शेरपुर में बनने वाले नए सब स्टेशन पर तकरीबन डेढ़ करोड़ से लेकर 2 करोड़ रुपए खर्च आएंगे। स्थान का चयन कर शासन को प्रस्ताव भेजा गया है कागजी कार्रवाई पूरी होते ही काम शुरू हो जाएगा। अवर अभियंता चंदन सिंह ने बताया कि नए सब स्टेशन में कोटवां फीडर के दो गांव धर्मपुरा और फिरोजपुर, मुहम्मदाबाद ओल्ड फीडर के सेमरा,छनबईया , पैसठियां तथा कुंडेसर फीडर के शेरपुर खुर्द, शेरपुर कलां, लालूपुर, माघी, मुबारकपुर, पचासी, चौरासी,बयासी,नरदह, आदि गांवों को नए पावर हाउस में शामिल करने की योजना है। राघवेंद्र उपाध्याय बुच्चू ने बताया की लोड अधिक होने से ट्रांसफार्मर का फूंकना लो वोल्टेज की समस्याआम हो चुकी हैजिससे किसानों तथा आम लोगों को भारी परेशानी हो रही है इसको देखते हुए नया पावर हाउस बनाना अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड 2 आशीष कुमार शर्मा, एसडीओ अमित कुमार राय, जेई चंदन सिंह, प्रधान प्रतिनिधि शेरपुर दयानंद राय आदि उपस्थित रहे।

रोजा संस्था के समन्वयक बैठक का हुआ आयोजन

चकिया/चन्दौली। रोज़ा संस्था द्वारा ब्लॉक संसाधन केंद्र, चकिया, में समन्वयन बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कार्यक्रम समंवयक शिव कुमार ने संस्था द्वारा संचालित परियोजना की उपलब्धियों को साझा किया एवं साथ ही आगामी वर्ष में बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन और नियमित उपस्थिति हेतु योजना पर रण नीति को साझा किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी श्री राम टहल के द्वारा संस्था के कार्यों की सराहना किया और लोगों को संबोधित करते हुए कहा की हम सभी का उद्देश्य एक ही है की बच्चे निपुण बने। बैठक में शिक्षक संघ अध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता, बाबु लाल, संकुल प्रभारी, प्रधानाध्यापक, रोज़ा संस्था के प्रेरक ओम प्रकाश, मोइनद्दीन, सालुद्दीन, विद्या साथी पूनम, अंबिका, अनिता, प्रभा, नेहा, कुशुमलता, सविता, बृजेश आदी लोग उपस्थिति रहें।

पेड़ से टकराई स्कूल बस/शीशे टूटे छात्र-छात्राओं में मची चीख-पुकार

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनियां/चंदौली। बलुआ थाना क्षेत्र स्थित रइयां गांव के नजदीक फूलपुर में नशे में धुत बस चालक तेज रफ्तार में मोटरसाइकिल सवार को धक्का मारते हुए बस अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। जिससे बच्चों में चीख पुकार मच गई।बस छुट् ?टी के बाद बच्चों को घर छोड़ने जा रही थी। तभी अचानक यह हादसा हुआ। हादसे में बस के आगे का शीशा टूट गया। बच्चों में चीख पुकार मच गई।

कई बच्चे सीटों से नीचे जा गिरे। हालांकि हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। सूचना के बाद पुलिस और बच्चों के अभिभावक मौके पर पहुंचे। कुछ देर हंगामा भी हुआ। बाद में बच्चों को दूसरी बस से घर भेजा गया।जानकारी के मुताबिक एक निजी स्कूल चिल्ड्रेन हैप्पी होम की बस मंगलवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद बच्चों को छोड़ने के लिए गई थी। सभी बच्चों को छोड़कर जब चहनियां के तरफ जा रही थी उसी समय हादसे का शिकार हो गई। बस में करीब आठ दस बच्चे ही सवार थे।

बस रइयां गांव से थोड़ा आगे फूलपुर पाली ग्रीन हाउस के ठीक सामने पहुंची थी कि एक मोटरसाइकिल को बचाने के चक्कर में बस ड्राइवर ने बस को टर्न किया तो बस रोड किनारे पेड़ से जा टकराई। पेड़ से टकराने के बाद ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए। कई बच्चे इससे बेकाबू होकर सीटों से नीचे गिर गये या फिर सामने की सीटों से टकरा गए। गनीमत रही कि इससे किसी को गंभीर चोट नहीं लगी। बस हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। उन्होंने बच्चों को बस से बाहर निकाला। वहीं सूचना मिलने के बाद बलुआ पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और बस चालक को थाने लेजाकर पूछताछ की।

महंत पद से हटाए जाने के बाद शिष्यों के साथ कोतवाली पहुचे मंशा गिरी

महंत की गद्दी पर बैठाए जाने की मांग

शकुन टाइम्स संवाददाता

सकलडीहा/चंदौली। कोतवाली क्षेत्र के डगरिया बाबा स्थित आश्रम पंचायती नंद अखाड़ा की गद्दी पर हटाए जाने के बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को पूर्व महंत मंशा गिरी ने साधू-संतो के साथ एसडीएम अनुपम मिश्रा और कोतवाली में पहुच न्याय की गुहार लगाई। उनका कहना था कि एक साजिश के तहत उनको महंत पद से हटाया गया। गलत आरोप लगाकर हमारी छवि खराब की जा रही है। आपको बता दे कि डगरिया बाबा आश्रम में महंत पद को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। बीते रविवार को कपिल धारा वाराणसी से आए साधू-संतो ने पंचायत में फैसला लेते हुए महंत मंशा गिरी को गद्दी से हटा दिया था। मंशा गिरी का आरोप है कि इस दौरान व्यवस्थापक सुरेश गिरी से मारपीट भी गई। और आश्रम के कमरों का ताला तोड़कर भैरो गिरी को नया महंत नियुक्त कर दिया गया। और हमारे ऊपर गलत आरोप लगाया गया।

जबकि बाबा डगरिया सरकार के मुख्य शिष्य वही है।

उन्होंने एसडीएम से मामले की जांच कर कार्यवाही करने की गुहार लगाई। इस दौरान बड़ी संख्या में साधू-संत और शिष्य रहे।

एक दिवसीय सदभावना मैच में पी0जी0 कालेज ने मारी बाजी

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनियाँ/चंदौली। चहनियां स्थित खंडवारी देवी इंटर कालेज खेल मैदान पर एक दिवसीय सदभावना क्रिकेट मैच मां खंडवारी देवी इंटर कालेज और मां खंडवारी पी0जी0 कालेज के बीच हुआ। जिसमें मां खंडवारी पी0जी0 कालेज विजेता रही। मां खंडवारी देवी इंटर कालेज के खेल मैदान में खंडवारी देवी इण्टर कॉलेज और मां खंडवारी पी0जी? कालेज के बीच एक दिवसीय सद्भावना मैच में संस्था के प्रबंध निदेशक डा0आशुतोष सिंह कैलाशी ने टास कराया। जिसमें टास जीतकर खंडवारी देवी इंटर कालेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पवन के 73 रन और छत्रसाल के 36 रनों के बदौलत निर्धारित 10 ओवरों में 138 रन बनाया। जवाब में माँ खण्डवारी पीजी कालेज ने राहुल 67 और सलाउद्दीन के 44 रन बनाकर 9 ओवर मे मैच जीत लिया। राहुल यादव को मैन आफ़ दी मैच दिया गया। प्रबन्ध निदेशक डा,आशुतोष सिंह कैलाशी और निदेशक अवनीश सिंह ने विजेता टीम को ट्राफ़ी दिया तथा कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कोई भी हो छात्र या अध्यापक या किसी भी विभाग के हों कोई भी खेल सबको अवश्य खेलना चाहिए, जिससे मस्तिष्क के साथ साथ शरीर भी स्वस्थ हो।

मैच के दौरान डा ,अश्विनी श्रीवास्तव, सुनील कुमार सिंह, डा,अजय कुमार सिंह, बाबू लाल यादव, उपेन्द्र दूबे, अभिषेक सिंह, राहुल यादव, अंकित दूबे, प्रहर्ष गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे। अम्पायरिंग का कार्य संस्था के निदेशक अवनीश सिंह व हसनैन ने किया।

पीठाधीश्वर ने सर्वेश्वर महादेव के नाम से शिवलिंग का किया नामकरण

सेवढ़ी हुदहुदीपुर में शिवलिंग का पूजन अर्चन करते प्रधान,ग्रामीण और पुरोहित

शकुन टाइम्स संवाददाता

चहनियां/चंदौली। सेवढ़ी हुदहुदीपुर में तीन दिन पूर्व हुए भव्य शिव मंदिर में नये शिवलिंग का नामकरण बाबा कीनाराम क्रीं कुंड वाराणसी के पीठाधीश्वर सिद्धार्थ गौतम राम जी ने नामकरण किया। अब महादेव को सर्वेश्वर महादेव के नाम से जाना जायेगा। प्रधान आशुतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में ज्योतिसाचार्य और ब्राम्हणों द्वारा मंत्रोच्चर के बीच पूजन अर्चन के साथ किया गया नामकरण।

भजन कीर्तन का आयोजन हुआ। सेवढ़ी हुदहुदीपुर में डायरेक्टर दीपक सिंह गुड्डू के दिशा निर्देशन में गांव में बने भव्य शिव मंदिर में प्रधान आशुतोष कुमार सिंह और ग्रामीणों के सहयोग से तीन दिन पूर्व सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण बलुआ स्थित पश्चिम वाहिनीं गंगा तट से जल लाकर नये शिवलिंग की स्थापना कर पूजन अर्चन शुरू हुआ । बाबा कीनाराम क्रीं कुंड के पीठाधीश्वर सिद्धार्थ गौतम राम जी ने महादेव का नामकरण किया। जो अब सर्वेश्वर महादेव के नाम से जाना जायेंगे। ज्योतिषाचार्य पप्पू तिवारी और उनकी टीम में विद्वान ब्राम्हणों द्वारा मंत्रोच्चर के साथ मन्दिर के महंत गोपाल दास महाराज और ग्राम प्रधान आशुतोष कुमार सिंह को संकल्प दिलाकर बड़े ही श्रीधा पूर्वक भाव से बिधि विधान से शिवलिंग का स्थापना कर हवन पूजन का कार्य सम्पन्न कराया। लोगो को भंडारे में प्रसाद ग्रहण कराया गया। इस दौरान प्रधान आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि यह युग शिव युग चल रहा है। आज पाप और अत्याचार पर सनातन धर्म भारी है। नतीजा देखना है तो प्रयागराज में महाकुंभ और हर स्नान पर बलुआ स्थित पश्चिम वाहिनीं घाट,काशी में विश्वनाथ, अयोध्या में प्रभु श्रीराम आदि स्थानों पर देख ले। हर तरफ हर हर महादेव,पवन सूत हनुमान के नारो से गुंजायमान है। इस दौरान जसवंत सिंह,जवाहिर सिंह,ओमकार सिंह,प्रताप बहादुर सिंह, राजन सिंह,उमा कुशवाहा, जयप्रकाश सिंह,बलु सिंह,कोमल सिंह,बाबू राम,कृष्ण कांत,महेश सिंह आदि उपस्थित रहे ।

काशी एक्सप्रेस (15018) में बम मिलने की सूचना निकली झूठी

औड़िहार जंक्शन स्टेशन पर ढाई घंटे रोककर ट्रेन में की गई तलाशी

शकुन टाइम्स संवाददाता

सादात। गोरखपुर से लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) को जाने वाली 15018 काशी एक्सप्रेस में बम की खबर से यात्रियों सहित रेलवे और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। बम की खबर मिलते ही ट्रेन को औड़िहार जंक्शन स्टेशन पर करीब ढाई घंटे से अधिक समय तक रोकना पड़ा।ट्रेन में बम मिलने की सूचना पर फौरन ही अपर जिलाधिकारी दिनेश कुमार, सैदपुर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रामेश्वर सुधाकर, एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सहित वाराणसी परिक्षेत्र के असिस्टेंट कमांडर एनएम यादव सहित अन्य अधिकारी औड़िहार रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए। जीआरपी, आरपीएफ, सिविल पुलिस की स्वान टीम और बम बीडीएस टीम द्वारा करीब ढाई घंटे तक ट्रेन की एक एक बोगी में सघन चेकिंग की गई। इस दौरान चेकिंग टीम को कोई आपत्तिजनक वस्तु और ना ही कोई संदिग्ध व्यक्ति मिला, जिससे बम मिलने की सूचना महज अफवाह साबित हुई। इसके बाद ट्रेन को वाराणसी की तरफ रवाना किया गया। दरअसल गोरखपुर से मुंबई की ओर की जाने वाली 15018 गोरखपुर लोकमान्य तिलक काशी एक्सप्रेस मंगलवार को जैसे ही दुल्हहपुर स्टेशन पहुंचने वाली थी तभी किसी अज्ञात द्वारा कंट्रोल रूम प्रयागराज को फोन करके उक्त ट्रेन में बम होने की सूचना दी गई। इसके बाद प्रयागराज कंट्रोल द्वारा तत्काल जीआरपी दुल्हहपुर को ट्रेन में बम होने सूचना दी गई। तत्काल प्रभाव से हरकत में आए जीआरपी प्रभारी राजकपूर सिंह द्वारा जखनिया स्टेशन पर अलर्ट करते हुए ट्रेन मे चेकिंग अभियान चालू कराया गया। इसके बाद तत्काल प्रभाव से गाज़ीपुर पुलिस से संवाद साधा गया। इसके बाद ट्रेन औड़िहार स्टेशन पहुंचने से पहले ही ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड़ और पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ, जीआरपी और सिविल पुलिस की छह टीम गठित की गई। औड़िहार जंक्शन स्टेशन पर काशी एक्सप्रेस के पहुंचते ही पहले से गठित टीम द्वारा ट्रेन के बाइस बोगियो में तत्काल रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस की सतर्कता से बिना किसी को जानकारी दिए ट्रेन में बैठे सभी पैसेंजरों को ट्रेन से निचे उतार कर एक-एक लोगों की आधार व उनके सामानो की चेकिंग की गई। चेकिंग के बाद ट्रेन में बम रखे होने की सूचना गलत निकली। बम मिलने की खबर से ट्रेन करीब तीन घंटे की देरी से वाराणसी स्टेशन के लिए रवाना हुई। इस पूरी कार्रवाई से ट्रेन में सवार यात्रियों सहित स्टेशन पर मौजूद लोगों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। वहीं पुलिस प्रशासन ट्रेन में बम की झूठी सूचना देने वाले का पता लगाकर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में है।

कई थाने की फोर्स संग स्टेशन पहुंचे एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार

ट्रेन के प्लेटफार्म नंबर छह पर काशी एक्सप्रेस के पहुंचते ही डाग स्क्वायड टीम, आरपीएफ और जीआरपी के साथ सिविल पुलिस के जवान धड़ाधड़ तलाशी के लिए बोगियों में पहुंच गए। इस कारवाई से यात्री सहम गए और यात्री बोगी से बाहर निकलकर खड़े हो गए। इससे अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। अधिकारियों ने फोर्स के साथ एक-एक बोगी की तलाशी ली। यात्रियों के बैग समेत अन्य सामानों को खोलवा कर देखा। कहीं से कोई चूक न हो इसके लिए मेटल डिटेक्टर की भी मदद ली गई। सघन तलाशी के बाद ट्रेन को 02.22 मिनट पर आगे रवाना करने के लिए हरी झंडी दी गई।

ब्रज की रसोई: लखनऊ में जरूरतमंदों के लिए सेवा की अनूठी मिसाल

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी के संस्थापक विपिन शर्मा समाज के जरूरतमंदों की सेवा में सतत प्रयासरत हैं। इसी संकल्प को साकार करने के लिए उन्होंने ब्रज की रसोई की स्थापना की, जो आशियाना क्षेत्र में वर्षों से गरीबों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध करा रही है।

सामाजिक कार्यकर्ता रामकुमार दोहरे के अनुसार, यह पहल भूखों को भोजन देने के साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की सहायता भी करती है। वहीं सदस्य दीपक भुटियानी ने बताया कि इसका उद्देश्य किसी को भूखा न सोने देना है। संस्था के वरिष्ठ सदस्य पंकज राय ने इसे सबसे बड़ा पुण्य कार्य बताते हुए कहा कि यह जरूरतमंदों में नई आशा जगाता है। संस्था के सदस्य संजय सिंह ने बताया कि ब्रज की रसोई सैकड़ों गरीबों को पौष्टिक भोजन देती है, खासतौर पर कुपोषित बच्चों पर ध्यान दिया जाता है। आगे सदस्य आशीष श्रीवास्तव ने भोजन में पोषण व स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की बात कही। इसी तरह संस्था की सदस्य गीता प्रजापति ने इसे निस्वार्थ समाज सेवा की प्रेरणादायी मिसाल बताया, जबकि निशांत सिंह ने कहा कि यह अभियान तेजी से फैल रहा है। विकास पाण्डेय ने सक्षम लोगों से इस मुहिम में योगदान की अपील की। संस्था के सक्रिय सदस्य संजय श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि आज के नि:शुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम में आलू मटर टमाटर की सब्जी और चावल का वितरण किया गया। यह भोजन रतन खंड पानी टंकी के पास स्थित झुग्गियों, निर्माणाधीन विद्यालय के श्रमिकों और उनके परिवारों, तथा जोन-8 के सामने की झुग्गियों में रहने वाले लोगों व उनके परिवारों को दिया गया। इस अभियान में करीब 890 लोगों को भोजन वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में पंकज राय, रामकुमार दोहरे संजय श्रीवास्तव, विकास पाण्डेय, संजय सिंह , दीपक भुटियानी, आशीष श्रीवास्तव, नवल सिंह निशांत सिंह, दीपांशु आनन्द, मुकेश कनौजिया, अशोक कुमार और गीता प्रजापति सहित कई समाजसेवियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी के संस्थापक विपिन शर्मा ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया और इस सेवा कार्य को आगे भी जारी रखने का संकल्प दोहराया। ब्रज की रसोई लखनऊ में सामाजिक सद्भाव और मानवता का एक उज्ज्वल उदाहरण बन चुकी है। इस पहल ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि हर व्यक्ति थोड़ा-थोड़ा सहयोग करे, तो कोई भी भूखा नहीं रहेगा।

ऑटो चालकों का कुचेसर रोड पर कब्जा,सड़क को ही बनाया ऑटो स्टैंड

चंद कदमों की दूरी पर पुलिस चौकी,तो दिखी पुलिस की बड़ी लापरवाही

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई हापुड़ में जो ऑटो चालकों की दबंगई खुलेआम दर्शा रही है, थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत लगने वाली कुचेसर चौकी रोड के सामने चंद कदमों की दूरी पर सड़क के बीचो-बीच खड़े तीन ऑटो, अब पुलिस प्रशासन की सर परस्ती कहें या ऑटो चालकों की दबंगई, जो खुलेआम सड़क के बीच खड़े कर आराम से ऑटो प्वाइंट बना दिया गया, आखिर ऐसे ऑटो चालकों पर हापुड़ ट्रैफिक पुलिस क्यों नहीं कर पाती कार्यवाही बड़ा सवाल, सबसे बड़ी बात तो यह है कि पुलिस चौकी के सामने का यह नजारा है, जहां पर आम ट्रैफिक भी निकलता है मगर इन ऑटो चालकों को किसी की कोई परवाह नहीं है जो हालात वायरल तस्वीर बता रही है, अब इसे ऑटो चालकों की मनमानी कहीं या जान पूछ कर ऑटो चालक दिखा रहे हैं

अपनी दबंगई, खुलेआम सड़क पर कब्जा कर खड़ा किया अपने ऑटो, अब इसे अवैध पार्किंग कहीं या ऑटो चालकों की चेतावनी प्रशासन को बड़ा सवाल, अब देखना यह होगा कि हापुड़ प्रशासन ऐसे ऑटो चालकों के विरुद्ध क्या कार्रवाई कर पता है या इसी तरह से ऑटो चालक बनाते रहेंगे सर्विस रोड को ऑटो स्टैंड।

संक्षिप्त सामाचार

बंधी में डूबकर 5 वर्षीय बालक की मौत

(शकुन टाइम्स) म्योरपुर/सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पड़री टोला कमरीडांड़ निवासी प्रदीप कुमार यादव ने मून स्टार इंग्लिश मीडियम स्कूल के समीप किराए पर मकान लेकर रहे थे । मंगलवार की दोपहर में उनका 5 वर्षीय पुत्र रितेश कुमार अपने दोस्तों के साथ रूम से 100 मी स्थित जटखैरो बंधी में अचानक से गहरे पानी में चला गया ।

बंधी में पानी ज्यादा गहरा होने के कारण बालक की डुबकर मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहरा मच गया। सूचना पर पहुंची म्योरपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सीएचसी म्योरपुर में ले जाया गया जहां चिकित्सक संजीव बिंद ने जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर सीएचसी पहुंचे एस आई शिवकुमार ने आवश्यक पूछताछ के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु दुद्धी भेज दिया।

सामाजिक परिवर्तन और संविधान पर चर्चा' कार्यक्रम

लखनऊ। आज शराबबंदी संघर्ष समिति के कार्यालय 114 इंसाफनगर इंदिरा नगर लखनऊ में राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन के द्वारा 23 फरवरी 2025 को आयोजित किया जा रहे कार्यक्रम के संबंध में एक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पी सी कुरील और समाजसेवी मुर्तजा अली की अध्यक्षता में एक मीटिंग हुआ जिस में राष्ट्रीय भागीदारी आंदोलन के द्वारा सामाजिक परिवर्तन और संविधान पर चर्चा' कार्यक्रम जवाहर-लाल नेहरु युवा केंद्र हुसैनाबाद रूमी दरवाजे के पास आयोजित की जा रही है इस को कामयाब बनाए जाने हेतु चर्चा की गई ! इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार श्री जुबेर अहमद, पूर्व जज अजय रवि, मोहम्मद उस्मान अंसारी, श्मशेर गाजीपुरी, श्री जगदीश, हलीमा अजीम, मोहम्मद कैफ़ फ़हद हसन, खुर्शीद अली एवं शाहिद अली मुख्य रूप से उपस्थित रहे!

शराब पीने से मना करने पर पत्नी की पीट-पीटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। शराब पीने से मना करने पर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील के आनंदपुर गांव में हुई। पुलिस ने मृतका का शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एडीसीपी अमित कुमावत ने बताया कि मृतका की पहचान कंचन के रूप में हुई है।

सोमवार रात उसका पति शराब पीकर आया था। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ। पति ने शराब के नशे में कंचन को डंडे से मारा, जिससे उसके के सिर में गंभीर चोट आ गई। रात में घर वालों के समझने पर दोनों खाना खा कर सो गए। मंगलवार सुबह घर वाले उठे तो कंचन मृत मिली। पुलिस ने आरोपी पति राजकुमार को इंदिरा नहर के पास से गिरफ्तार कर लिया। परिजनों ने बताया कि राजकुमार और कंचन की शादी करीब 12 साल पहले हुई थी। उनके तीन बच्चे हैं। मृतका के मायके वालों को सूचना दी गई है, जो घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। एडीसीपी ने बताया कि फारेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए गए। एसीपी रजनीश वर्मा और इंस्पेक्टर अमर सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर मौजूद हैं।

8 लाख आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को आठ हजार रुपए कम मिल रहा वेतन

सीएम को संघ ने दी जानकारी

शकुन टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में लगभग 8 लाख आउटसोर्सिंग कर्मचारी सरकारी विभागों में काम कर रहे हैं। विभिन्न सरकारी विभागों में अलग-अलग पद पर तैनात इन लाखों कर्मचारियों को काम के बदले बेहद कम वेतन दिया जा रहा है। इसके पीछे की वजह आउटसोर्सिंग व्यवस्था में कर्मचारियों के पद के अनुसार वेतन निर्धारण का न होना है, जिस कारण से सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतनमान ही भुगतान किया जाता है। यह जानकारी संयुक्त स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी संघ के महामंत्री सच्चिता नंद मिश्रा ने दी है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार का न्यूनतम वेतनमान 10,700 रुपए है जबकि अन्य प्रदेशों में यह वेतनमान लगभग 18,000 रुपए प्रतिमाह है। इस प्रकार उत्तर प्रदेश का न्यूनतम वेतनमान बेहद कम है। सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले बजट में सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बजट जारी किया जाता है तथा सदन में बजट पर चर्चा होती है। संयुक्त स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी संघ प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग करता है कि सर्व समाज की तरह बजट में प्रदेश के लाखों आउटसोर्स कर्मचारियों का वेतन बढ़ाए जाने तथा उत्तर प्रदेश सरकार के न्यूनतम वेतन को कम से कम 20,000 रुपए प्रतिमाह निर्धारित किए जाने के संबंध में निर्णय लिया जाए। इसके अलावा सदन में आउटसोर्स कर्मियों के भविष्य जैसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा किया जाना उचित होगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए मुख्यमंत्री को पत्र भी संघ की तरफसे लिखा गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि सदन में आयोजित बजट सत्र में प्रदेश के लगभग 8 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए उपहार स्वरूप वेतन बढ़ोतरी अथवा शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतनमान को बढ़ाकर 20,000 रुपए प्रतिमाह किए जाने का निर्णय लेने की कृपा करें।

राज्यपाल ने कुम्भ में मारे गए श्रद्धालुओं को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने अभिभाषण के दौरान महाकुम्भ में मौनी अमावस्या के स्नान पर्व पर मारे गए श्रद्धालुओं को श्रद्धांजलि देते हुए उनके प्रति संवेदना व्यक्त की।उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या की एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना से हम सभी अत्यंत दुखी हैं। इसमें कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं और कुछ की दुखद मृत्यु हो गई है। असमय काल-कवलित हुए ऐसी पुण्य आत्माओं के प्रति मेरी विनम्र श्रद्धांजलि है। साथ ही उनके परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करती हूं। राज्यपाल ने कहा कि हमारी सरकार को दिव्य-भव्य महाकुम्भ कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। महाकुम्भ-2025 में स्वच्छता, सुरक्षा और सुव्यवस्था के नए मानक गढ़े गए हैं। महाकुम्भ में आस्था एवं आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला है। यह आयोजन जहां एक ओर अनेकता में एकता का संदेश भी दे रहा है, जिसमें एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा साकार हो रही है।

यूपी बोर्ड की परीक्षा को सकुसल सम्पन्न कराने हेतु की गयी समीक्षा बैठक

शकुन टाइम्स संवाददाता

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के स्वामी हरसेवानन्द महाविद्यालय चुर्क में जिलाधिकारी सोनभद्र श्री बी0एन0 सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री अशोक कुमार मीणा द्वारा आगामी यूपी बोर्ड की परीक्षा के संबंध में जनपद के समस्त जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक व वाह्य केन्द्र व्यवस्थापक के साथ बैठक की गई । जिलाधिकारी सोनभद्र द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारी/कर्मचारीगण को निर्देशित किया गया कि उक्त परीक्षा को निर्विघ्न एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाए तथा परीक्षा में लगे समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को प्रॉपर ब्रीफ करें एवं समय से परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि थाना क्षेत्र के ऐसे पूर्व के अभियुक्त जो किसी भी प्रकार की परीक्षा संबंधी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहे हो, उन पर सतर्क दृष्टि रखी जाए और परीक्षा के दिन यातायात व्यवस्था सुचारू ढंग से संचालित हो जिससे किसी भी अभ्यर्थी को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े तथा परीक्षा के दौरान की जाने वाली सतर्कता के बारे में बताया गया एवं यूपी बोर्ड के अधिकारियों द्वारा दिए गए परीक्षा संबंधी संपूर्ण निर्देशों से अवगत कराते हुए सभी को ब्रीफ किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक, उप जिलाधिकारी सदर एवं अन्य सभी अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

जनपद में यूपी बोर्ड परीक्षा को सफल संचालन आयोजित कराए जाने हेतु जिला अधिकारी ने की बैठक

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापुड़। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा वर्ष 2025 के सफल संचालन के सम्बन्ध में जिलाधिकारी श्रीमती प्रेरणा शर्मा, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) संदीप कुमार एंव अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में जनपद के 40 परीक्षा केन्द्रों पर लगाये गये 03 जोनल मजिस्ट्रेट, 10 सैक्टर मजिस्ट्रेट, 40 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 40 केन्द्र व्यवस्थापक, 40 बाह्य अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापकों व जनपद में परीक्षा सम्बन्धी व्यवस्थाओं के दृष्टिगत मुख्य चिकित्सा अधिकारी, परिवाहन विभाग के अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी व सी0ओ (पुलिस) की बैठक ली गयी। अपर जिलाधिकारी (वि/रा), अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा परीक्षाओं के सफल संचालन के सम्बन में जारी शासनादेशों व विभागीय आदेशों के सम्बन्ध में समस्त अधिकारियों को अवगत कराया गया, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा इस वर्ष परीक्षा के संचालन हेतु जारी नवीन व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में अवगत कराया कि परीक्षा की गोपनीय सामग्री को विद्यालय स्थित स्ट्रांग में 4 अलमारियों मे रखा जायेगा जो परीक्षावधि में लगातार सी0सी0टी0वी0 कैमरों की निगरानी में रहेगी। कक्ष निरीक्षकों की उपस्थिति के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि यदि किन्ही तिथियों में कक्ष निरीक्षकों की कमी हो तो तत्काल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अथवा अपने ब्लाक के ए0बी0एस0ए0 से सम्पर्क कर शिक्षकों की मॉग परीक्षा तिथि से 02 दिन पूर्व कर लें। डीएम ने निर्देश दिए कि प्रश्न पत्रों के लीक होने की अफवाहों की सूचना यदि किसी केन्द्र व्यवस्थापक को किसी भी माध्यम से प्राप्त होती है तो वे तत्काल अपने जोनल मजिस्ट्रेट / उप जिलाधिकारी को सूचित करेगें द्य साथ ही उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कोई भी परीक्षार्थी यदि नकल करते हुए पकड़ा गया तो नकल अधिनियम में दण्ड (कारावास) व आर्थिक दण्ड की कठोरतम् व्यवस्था की गयी हैं, इस सम्बन्ध में केन्द्र व्यवस्थापक अपने केन्द्र पर आने वाले समस्त कक्ष निरीक्षकों / कर्मचारियों को जानकारी उपलब्ध करा दी जाए।बैठक में जनपद के 11 सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के परीक्षा केन्द्रों के केन्द्र व्यवस्थापक व 01 संस्कृत बोर्ड की परीक्षा के केन्द्र व्यवस्थापकों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया, सभी केन्द्र व्यवस्थापकों द्वारा जिला प्रशासन द्वारा की गयी व्यवस्थाओं के प्रति संतुष्टि व्यक्त की गयी।बैठक के अन्त में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ विनीता के द्वारा डीएम को धन्यवाद देते हुए बैठक का समापन किया गया।

कक्षा 12 के बच्चों की विदाई,तो बच्चों ने किया कई कार्यक्रम आयोजित

बच्चे ही मां-बाप और देश का भविष्य होते हैं : राजीव

शकुन टाइम्स संवाददाता

हापुड़। सिंभावली ब्लॉक के अंतर्गत लगने वाले आर एस के इंटर कॉलेज में की गई कक्षा 12 के बच्चों की विदाई, कार्यक्रम शुरू होने से पहले मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर विद्यालय के प्रिंसिपल डॉक्टर राजीव कुमार गोहित ने कार्यक्रम का आगाज किया, जहां पर बताया गया है कि बच्चों ने मंच के द्वारा विद्यालय स्टाफ और स्कूल के बच्चों को भावुक कर दिया, जहां पर बच्चों ने विद्यालय को लेकर अपनी शिक्षा के विषय में बताया तथा कई कार्यक्रम आयोजित भी किया तो वहीं अन्य बच्चों ने उनकी तालियां बजाकर हौसला अफजाई की, तो वही विद्यालय के प्रिंसिपल डॉक्टर राजीव कुमार गोहित मैं बच्चों की विदाई पर कहा कि जब बच्चों को शिक्षा देते हैं और उन्हें एक परिवार

की तरह समझते हैं और जिस दिन वह विद्यालय से विदा होते हैं वह दिन एक ऐसा दिन होता है कि हम स्वयं अपने आप को भी भावुक होने से नहीं रोक पाए।

हम यही चाहते हैं कि बच्चों ने जिस तरह हमारे विद्यालय का नाम रोशन किया है इस तरह आगे भी बढ़े और अपने मां-बाप का नाम भी रोशन करें, तो वहीं प्रतियोगिता की विजेता काकुल को मिस फेयरवेल चुनते हुए सम्मानित किया गया तो वहीं छात्र सानिया ने विदाई का गीत गाकर सभी का दिल जीत लिया, तो वही इस अवसर पर मौजूद रहे राकेश कुमार ,ऋषिपाल सिंह, कमल सिंह ,अजय कुमार, सरिका गुप्ता, कृष्णा कौर, अतुल शर्मा, सीमा शर्मा, निरुपमा यादव, किरण, शिल्प इत्यादि।

मेन्स्ट्रुअल हाइजीन में बड़ा बदलाव लाने का विजन पेश

लखनऊ। असम के तीन पुरुष महिलाओं के पीरियड्स को प्रबंधित करने के तरीके में एक बड़ा बदलाव लाने के मिशन पर हैं। हेल्थफैब के संस्थापक कीर्ति बिक्रम आचार्य, सौरव चक्रबर्ती और सत्यजीत चक्रबर्ती ने एक रीयूजेबल पीरियड्स पैंटीज बनाई हैं, जो महिलाओं को पीरियड्स के दिनों में आराम देने और बार-बार पैड्स बदलने की झंझट से छुटकारा दिलाने के लिए डिजाइन की गई हैं। और अधिक जानने के लिए देखिये शार्क टैंक इंडिया 4, आज रात 8 बजे सिर्फ सोनी लिव पर। जब यह तीनों शार्क टैंक में पहुंचे, तो अपने प्रोडक्ट और उसकी क्षमता को लेकर पूरी तरह आत्मविश्वास से भरे हुए थे। हेल्थफैब और शार्क टैंक इंडिया 4 में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, कीर्ति ने कहा, हम सिर्फ एक समस्या का हल नहीं निकाल रहे, बल्कि एक नई सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। हमारी रीयूजेबल पीरियड पैंटी महिलाओं को कंफर्ट, सुविधा और सस्टेनेबिलिटी देने के लिए डिजाइन की गई है।

भाकियू के मण्डल अध्यक्ष के नेतृत्व में सोरांव तहसील में लगाई गई पंचायत सौंपा गया ज्ञापन

शकुन टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। जनपद के गंगा पार के किसानों की विभिन्न समस्याओं को ले कर मंगलवार को सोरांव तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे के नेतृत्व में एक किसान पंचायत लगाई गई जहां किसानों की अनेकों समस्याओं को ले कर चर्चा की गई तत्पश्चात किसानों की समस्याओं के निराकरण हेतु उपजिलाधिकारी सोरांव को लिखित रुप से 8 सूत्री ज्ञापन दिया गया जिसमे आवारा पशुओं पर लगाम लगाया जाए आवारा पशुओं से हुए नुकसान की भरपाई प्रशासन के द्वारा किसानों को दिलाई जाए एवं नहरो में पानी छोड़ा जाए एवं नवाबगंज अंतर्गत चकबंदी कार्यों में जो धांधली हुई है जांच कर कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए किसानों के बगैर सहमति लिए जो किसानों की जमीन अधिग्रहण की जा रही है उस पर रोक लगाया जाए बिजली की सकुशल व्यवस्था कराई जाए नकली बीज खाद बेच रहे दुकानदारों के ऊपर जांच कराकर कार्रवाई कराई जाए।

आपको बता दें की उपजिलाधिकारी के महा कुम्भ मेला की ड्यूटी पर होने की वजह से उक्त ज्ञापन उपजिलाधिकारी के स्टेनो मोहम्मद गुलजार वा प्रभारी निरीक्षक सोरांव राधे किशन को सौंपा गया वही मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे द्वारा चेतवानी देते हुए कहा गया की यदि किसानों की समस्याओं का जल्द निस्तारण नही किया तो आने वाले दिनों में किसानों द्वारा महा पंचायत लगा कर आंदोलन करने का कार्य किया जाएगा इस मौके डा.राम राज पटेल,अजय कुमार पटेल,राजेंद्र कुमार, तहसील अध्यक्ष लाल चंद्र शुक्ल ऐडवोकेट,विजय पटेल, नरेन्द्र पटेल, हरिश्चंद,बच्चा लाल पटेल, कुइयां यादव,राम प्रताप, जीत लाल यादव,जमुना कोटेदार, रूपा देवी,सोना देवी,सहित सैंकड़ों किसान यूनियन के कार्यकर्ता वा किसान मौजूद रहे।

रोजगार अधिकार अभियान के तहत रासपहरी में हुई गोष्ठी

शकुन टाइम्स संवाददाता

म्योरपुर/ सोनभद्र। आदिवासी बाहुल्य दुद्धी तहसील में प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता के कारण रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। बशर्ते सरकार इस क्षेत्र के विकास पर ध्यान दें। आज हालात यह है कि दुध्दी मजदूरों के पलायन का बड़ा केंद्र बन गया है। गांव में आमतौर पर 90 फीसदी नौजवान बाहर काम पर जाने के लिए मजबूर है। हालत इतनी बुरी है कि तमाम गांव में लड़कियां भी काम की तलाश में बाहर जा रही है। इतना ही नहीं इस क्षेत्र से पूंजी का भी बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सोनभद्र जनपद के लोगों की बैंकों में जमा 69 प्रतिशत पूंजी दूसरे प्रदेशों में पलायन कर जा रही है और यदि दुध्दी की बात की जाए तो यह और भी बड़े पैमाने पर हो रहा है। ऐसी स्थिति में पलायन रोकने के लिए सरकार यहां की पूंजी से नौजवानों को कम से कम 10 लाख रुपए का अनुदान प्रदान करें। जिससे नौजवान नए उद्योग को शुरू कर सके। यह बातें आज रासपहरी में रोजगार अधिकार अभियान के तहत आयोजित गोष्ठी में उठी। गोष्ठी में मौजूद किसानों ने कहा कि यदि कनहर सिंचाई परियोजना में नहरें बनाकर खेतों को पानी दिया जाए। तो बड़े पैमाने पर सब्जी से लेकर अन्य फसलों का उत्पादन होगा और खेती समृद्ध हो जाएगी। यहां अरहर व उड़द की दाल, हल्दी, लहसुन, आलू, अदरक, टमाटर और मिर्च जैसे सब्जियों के उत्पादन पर जोर दिया जाए और इनके संरक्षण के लिए सरकारी कोल्ड स्टोरेज और चटनी के उद्योग स्थापित किए जाएं तो न सिर्फ किसानों की आमदनी बढ़ेगी बल्कि लोगों को रोजगार भी उपलब्ध होगा। किसानों का यह भी कहना था कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मधुमक्खी पालन के जरिए से शहद भी पैदा किया जा सकता है जिस पर व्यवस्थित रूप से सरकार को ध्यान देना चाहिए।

गोष्ठी में नौजवानों ने कहा कि यहां तापीय परियोजनाओं से बड़े पैमाने पर राख निकल रही है। एनजीटी का स्पष्ट आदेश है कि किसी भी तापीय परियोजना के 100 किलोमीटर के दायरे के अंदर इस राख से बनी हुई ईट का ही निर्माण कार्यों में उपयोग किया जाएगा। ऐसी स्थिति में जिला प्रशासन को सभी सरकारी कामों में इन ईंटों के ही उपयोग का निर्देश देना चाहिए। इस ऐश ईट के उद्योग को लगाने के लिए सरकार को नौजवानों को मदद देनी चाहिए। गोष्ठी में कहा गया कि सरकारी आईटीआई और पॉलिटेक्निक के जरिए बड़े पैमाने पर कौशल विकास का काम भी होना चाहिए। ताकि सार्थक रोजगार के लिए सक्षम नौजवानों को तैयार किया जा सके। बैठक में मौजूद महिलाओं ने बताया कि यहां बड़े पैमाने पर प्राईवेट माइक्रोफाइनेंस कंपनियों काम कर रही हैं। जो 17 से लेकर 30 परसेंट तक प्रतिवर्ष ब्याज लोगों से वसूल रही है। यहां तक कि सरकारी महिला स्वयं सहायता समूह में भी 12 फीसदी वार्षिक ब्याज दर है। जबकि बैंकों से लोन लेने पर कम ही ब्याज दर है। मांग की गई कि महिला स्वयं सहायता समूह को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार अनुदान दे। दोना पत्तल, साबुन, अगरबत्ती, महुआ, अलसी और तिल के लड्डू, अदरक की बर्फी जैसे तमाम छोटे-मोटे उद्योगों को बढ़ावा देकर और उनके उत्पादन की खरीद की सरकार द्वारा गारंटी सुनिश्चित करके इस इलाके में समृद्धि लाई जा सकती है। गोष्ठी में रोजगार अधिकार अभियान की संचालन समिति और सलाहकार समिति के विस्तार के लिए छात्रों, नौजवानों समेत समाज सरोकारी नागरिकों से संवाद करने का भी निर्णय हुआ। गोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर मौजूद रहे जिन्होंने विस्तार से बातचीत को रखा। गोष्ठी की अध्यक्षता मजदूर किसान मंच के अध्यक्ष जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोंड ने की और संचालन युवा मंच की जिला संयोजक सविता गोंड ने किया। गोष्ठी को एआईपीएफ के जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका, मजदूर किसान मंच के तहसील संयोजक रामचंद्र पटेल, एआईपीएफ जिला प्रवक्ता मंगरु प्रसाद श्याम, जिला सचिव इंद्रदेव खरवार, युवा मंच की जिला अध्यक्ष रामविचार गोंड, महावीर गोंड आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

बिहार विधानसभा चुनाव: कांग्रेस पर नजरें

वैसे तो बिहार विधानसभा के चुनाव होने में अभी कुछ महीनों का वक्त है, पर अचानक कांग्रेस की सक्रियता ने लोगों का ध्यान इसकी ओर खींच लिया है। प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया के गठन के समय से ही राहुल गांधी इस राज्य में कई बार आ चुके हैं तथा राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं-लालूप्रसाद यादव व उनके बेटे तेजस्वी यादव (पूर्व उप मुख्यमंत्री) के साथ उनके बढ़िया तालमेल के चलते यह तो माना ही जा रहा है कि कांग्रेस-आरजेडी मिलकर विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाइटेड के भी मिलकर लड़ने की सम्भावना अब तक तो बनी हुई है, लेकिन देखना यह भी होगा कि दोनों दलों के द्वारा वाकई कितने संगठित तरीके से इंडिया का मुकाबला किया जायेगा क्योंकि एक तरफतो भाजपा के बीच यह भावना उभर आई है कि (बकौल विजय कुमार सिन्हा, उप मुख्यमंत्री व भाजपा नेता) श्पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को तभी सच्ची श्रद्धांजलि मिलेगी जब बिहार में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनती है।श् दूसरी ओर, साथ मिलकर राज्य की सरकार चलाते हुए भी नीतीश कुमार श्प्रगति यात्राश् के नाम से राज्यव्यापी दौरा कर रहे हैं जिसमें भाजपा शामिल नहीं है। कुछ पिछले और कुछ भावी सियासी घटनाक्रमों के बीच बनने वाले किन सम्भावित समीकरणों के तहत चुनाव लड़ा जायेगा, यह देखना दिलचस्प होगा क्योंकि कांग्रेस यह चुनाव पूरे दमखम से लड़ने की तैयारियों में अभी से जुट गयी है। इस चुनाव की पृष्ठभूमि को समझने के लिये पहले की कतिपय परिघटनाओं को याद कर लेना उपयोगी होगा ताकि इस बात का अंदाजा लगाया जा सके कि आगामी चुनावी अखाड़ा किस तरह का तैयार हो रहा है। याद हो कि भाजपा और जेडीयू का लम्बा साथ तो रहा है परन्तु इसी विधानसभा के कार्यकाल में नीतीश कुमार ने भाजपा का साथ छोड़कर आरजेडी से हाथ मिलाया व लगभग 18 माह सरकार चलाई थी। बाद में अचानक नीतीश ने फिर से पाला बदला और वापस भाजपा के साथ सरकार बना ली। मुख्यमंत्री की कुर्सी उन्हीं के पास रही। इस बीच उन्होंने इंडिया गठबन्धन बनाने में महत्वपूर्ण निभाई थी लेकिन उनके इस तरह पलटने से उनकी छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा था। फिर भी एनडीए के साथ 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ते हुए उन्होंने 12 सीटें जीतकर बताया कि उन्हें आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। केन्द्र की सरकार जिन दो दलों पर टिकी हुई है उनमें आंध्रप्रदेश की तेलुगु देसम पार्टी (16 सदस्य) और जेडीयू ही हैं। स्वाभाविक है कि भाजपा जेडीयू को दिखावे के तौर पर तो महत्व देती रहेगी लेकिन पूरी कोशिश करेगी कि वह विधानसभा में उसे कमजोर कर खुद की ताकत बढ़ाये। अब देखना यह होगा कि इसके लिये वह कौन से पैंतरे आजमाती है।उधर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हाल ही में बिहार के दो दौरे कर चुके हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 22 फरवरी को आएंगे।

प्रदेश के नये बने प्रभारी कृष्णा अल्लावरु 20 फरवरी को पहुंचेंगे और तीन दिनों तक वहां रहेंगे। माना जाता है कि यहां कांग्रेस सामाजिक न्याय के अपने मुद्दे को पुनर्जाग्रत करेगी क्योंकि बिहार इसी विमर्श की जमीन रही है। कभी नीतीश कुमार को पिछड़ी जातियों व दलितों का संरक्षक माना जाता था लेकिन भाजपा के साथ जाने तथा अनेक महत्वपूर्ण अवसरों व सम्बन्धित विषयों पर उनकी चुप्पी ने उनसे यह ताज छीन लिया है। अलबत्ता, लालूप्रसाद यादव की विरासत को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के कारण तेजस्वी की इस मामले में प्रतिष्ठा बनी हुई है। फिर, अपने कार्यकाल में लाखों नौकरियां देने के कारण युवाओं एवं लाभान्वित होने वाले वर्गों में वे लोकप्रिय बने हुए हैं। तेजस्वी कांग्रेस के साथ हैं। खरगे अपने प्रस्तावित दौरे में बक्सर जायेंगे जहां संगठन की ओर से जय बापू जय भीम जय संविधान के नाम से एक बड़ी सभा की जायेगी। ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस इसके जरिये दलित-ओबीसी वोट बैंक को अपनी ओर आकर्षित करेगी। साथ ही, संगठन को यहां नये सिरे से मजबूत करने की रूपरेखा भी बनेगी। माना जाता है कि कांग्रेस यहां कम से कम 70 सीटों पर दावा करेगी। पिछले लोकसभा चुनाव में वह 9 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पूर्णिया से निर्दलीय लड़े पप्पू यादव के अलावा उसे 3 सीटें मिली हैं जबकि आरजेडी कुल 22 सीटों पर चुनाव लड़ी थी पर उसे 4 सीटें ही मिल सकी थीं। इस तरह देखें तो कांग्रेस का स्ट्राइक रेट उससे बेहतर है। इस कारण उसे लगता है कि अपनी जमीन को यहां मजबूत करना तथा अधिकतम सीटें हासिल करना जरूरी है ताकि वह आरजेडी के साथ मिलकर सरकार बना सके। यहां इंडिया का एक और पार्टनर दल सीपीएम (एमएल) (एल) भी है जिसके पास लोकसभा की दो और राज्य विधानसभा में 11 सीटें हैं। वह भी इंडिया के साथ है। बिहार का चुनाव अनेक मायनों में बेहद अहमियत रखता है क्योंकि जिस तरीके से यहां नीतीश कुमार ने इंडिया को धोखा दिया, माना जाता है कि उनके कारण ही लोकसभा में येन केन प्रकारेण भाजपा अपनी सरकार बनाने तथा नरेन्द्र मोदी पीएम बनने में कामयाब हो सके। कई बार इस आशय की खबरें उठती रही हैं कि नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव के पहले फिर से खेमा बदल सकते हैं। हालांकि एक बड़ा वर्ग इन अनुमानों को सिरे से खारिज करता है।

झूठ के कुंभ में अनास्था की डुबकी

राजेंद्र शर्मा

हैरानी की बात यह नहीं है कि शासन और रेलवे प्रशासन को आखिरकार, शनिवार 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में, अठारह मौतों और कई लोगों के घायल होने की बात स्वीकार करनी पड़ी है। हैरानी की बात यह है कि शासन और रेलवे प्रशासन ने भगदड़ और उसमें मौतों के तथ्य को ही नकारने की तमाम कोशिशें की थीं। लेकिन, शायद इस बार के कुंभ के सिलसिले में जान गंवाने वालों के परिजनों की किस्मत में, इन मौतों का इस तरह नकारा जाना ही लिखा है। नई-दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ पर ही पर्दा डालने की जैसी कोशिशें की गयी थीं, वही सब इससे पहले प्रयागराज में कुंभ स्नान भगदड़ के मामले में किया चुका था। सच तो यह है कि प्रयागराज भगदड़ मामले को छुपाने की कोशिशें और भी दूर तक जारी रही थीं बल्कि जानकारों के अनुसार तो अभी तक यह सिलसिला किसी न किसी रूप में जारी ही है। प्रयागराज मामले में भी, पहले कई घंटे तक तो अफवाह करार देकर, भगदड़ की किसी भी घटना को नकारने की ही कोशिश की गयी थी। फिर कुछ और घंटे बाद, भगदड़ जैसी होने और उसमें कुछ लोगों के चोटिल होने की बात मानी गयी। और घटना के पूरे उन्नीस घंटे बाद ही भगदड़ में तीस मौतों और करीब दर्जन भर लोगों के घायल होने की बात मानी गयी। यह दूसरी बात है कि तब तक यूट्यूबरों तथा मुख्यधारा के मीडिया के एक हिस्से द्वारा दी जा चुकी खबरों के अनुसार, पूरे मेला क्षेत्र में उस दिन एक नहीं तीन स्थानों पर भगदड़ की घटनाएं हुई थीं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या, सरकार द्वारा दिए गए तीस के आंकड़े से तीन गुनी नहीं तो, दोगुनी से ज्यादा जरूर थी।

पीयूसीएल की खोजी टीम की रिपोर्ट के अनुसार, मौतों की कुल संख्या को कम कर के दिखाने के लिए शासन ने तीन अलग-अलग अस्पतालों में पोस्टमार्टम कराने समेत, तरह-तरह के हथकंडों का सहारा लिया था।बहरहाल, मौतों तथा घटनाक्रम के सरकारी दावों पर सवाल खड़े करने वाली तमाम रिपोर्टों तथा सामने आयी तमाम जानकारियों का योगी सरकार ने नोटिस तक लेने से इंकार कर दिया और सारी खबरों की ओर से आंख-कान बंद कर के सरकार, इस उम्मीद में कि उसके प्रचार के सामने सब कुछ भुला दिया जाएगा, सब कुछ सुचारु रूप से चल रहा होने का अपना ढोल पीटने में लग गयी इसी के हिस्से के तौर पर पहले उप-राष्ट्रपति और फिर राष्ट्रपति को ही नहीं, देश के सबसे बड़े धनपतियों में से एक, अंबानी परिवार को बाकायदा वीवीआईपी स्नान कराया गया। उप-राष्ट्रपति ने तो भगदड़ में तीस मौतों की बात तब तक स्वीकार कर लिए जाने के बावजूद, कुंभ की व्यवस्थाओं को न भूतो न भविष्यति का बाकायदा सर्टिफिकेट ही दे दिया था। जाहिर है कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे या उनसे जुड़े लोगों के वीवीआईपी दर्जे पर, खूनी भगदड़ के बाद जारी इस सरकारी आदेश का कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला था कि सारे वीआईपी पास निरस्त किए जाते हैं। वास्तव में, विभिन्न रिपोर्टों में प्रयागराज में हुई भगदड़ के मुख्य कारणों में कुंभ की वीआईपी संचालित व्यवस्था को सबसे प्रमुख माना गया था, जिसमें मेला क्षेत्र और रास्तों के बड़े हिस्से को, वीआईपी गण के लिए सुरक्षित करने के जरिए, आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध जगह और रास्तों को, उनकी भारी भीड़ को देखते हुए, और भी छोटा कर दिया गया था। इसी तरह,नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ और मौतों की पर्दापोशी की कोशिशों में शीर्ष पर दिल्ली के लेफ्टीनेंट गवर्नर से लेकर रेल मंत्री तक शामिल थे। हद तो यह थी कि हादसे की जानकारी मिलने पर लेफ्टीनेंट गवर्नर ने भगदड़ और उसमें हुई मौतों पर खेद जताते हुए जो ट्वीट किया था, उसे तब वापस ले लिया गया, जब लेफ्टीनेंट गवर्नर को इसका एहसास हुआ या यह याद दिलाया गया कि संभवतरू सरकार पूरी घटना पर ही पर्दा डालना चाहती है। लेफ्टीनेंट गवर्नर ने अब संशोधन कर के नया ट्वीट जारी किया, जिसमें भगदड़ और मौतों, दोनों का जिक्र गायब किया हो चुका था। जाहिर है कि अंत में एक बार फिर जगहंसाई कराते हुए, लेफ्टीनेंट गवर्नर को घटना में मौतों पर शोक जताना ही पड़ा। कुछ ऐसी ही जगहंसाई रेल मंत्री के भी हिस्से में आयी। बहरहाल, सत्ता में बैठे लोगों के जगहंसाई की परवाह न करते हुए, सत्ता के झूठे आख्यान बल्कि झूठे प्रचार तथा दावों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर होने में तो अब शायद ही कोई हैरानी की बात रह गयी है। लेकिन दुर्भाग्य से अब हैरानी की बात मुख्य धारा के मीडिया के बड़े हिस्से के तत्परता से इस खेल में हिस्सेदार बन जाने में भी नहीं रह गयी है। लेफ्टीनेंट गवर्नर से भी ज्यादा हंसी का पात्र बनते हुए, समाचार एजेंसी श्एएनआईश् ने पहले पूरी वफादारी से लेफ्टीनेंट गवर्नर का हादसे पर दुरूख जताने वाला ट्वीट प्रकाशित किया। उसके बाद उसी एजेंसी ने बिना किसी टीका-टिप्पणी के लेफ्टीनेंट गवर्नर का ना कोई भगदड़, ना कोई मौत वाला संशोधित ट्वीट प्रकाशित किया। और अंततरू उतनी ही वफादारी से मौतों पर खेद जताने वाला ट्वीट जारी किया। सभी जानते हैं कि मुख्यधारा के मीडिया के अधिकांश हिस्से और सोशल मीडिया के भी बड़े हिस्से के गोदीकरण के बल पर ही, भगदड़ में बड़ी संख्या में मौतों जैसी आसानी से न छिपाई जा सकने वाली सच्चाइयों पर भी, मौजूदा निजाम न सिर्फपर्दा डालने की जुर्रत कर पाता है बल्कि उन पर पर्दा डालने की कोशिशों में काफी हद तक कामयाब भी हो जाता है। मौजूदा निजाम की इस कामयाबी का एक प्रमुख रूप यह भी है कि जिन सच्चाइयों को पूरी तरह से दबाना ही संभव न हो उन्हें भी, उजागर हो जाने के बाद भी, मीडिया पर इसी नियंत्रण के सहारे जल्द से जल्द चर्चा से बाहर करने के जरिए, दफन कर दिया जाता है। प्रयागराज भगदड़ की मौतों के मामले में ठीक यही हुआ है। और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ के मामले में भी ठीक यही करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी के हिस्से के तौर पर नई दिल्ली स्टेशन भगदड़ के मामले मृतकों के परिवारजनों को, रात में ही पोस्टमार्टम कराने के बाद न सिर्फशव सौंप दिए गए बल्कि सरकार के अपने तमाम नियम-कायदों को ताक पर रखकर, परिजनों को दस-दस लाख रुपए की नकद सहायता राशि भी मुंह अंधेरे ही पकड़ा दी गयी। मकसद यही था कि परिवारजन जल्द से जल्द लाश लेकर, मीडिया और खबरों से दूर, अपने गांवों के लिए निकल जाएं।

> पीयूसीएल की खोजी टीम की रिपोर्ट के अनुसार, मौतों की कुल संख्या को कम कर के दिखाने के लिए शासन ने तीन अलग-अलग अस्पतालों में पोस्टमार्टम कराने समेत, तरह-तरह के हथकंडों का सहारा लिया था।बहरहाल, मौतों तथा घटनाक्रम के सरकारी दावों पर सवाल खड़े करने वाली तमाम रिपोर्टों तथा सामने आयी तमाम जानकारियों का योगी सरकार ने नोटिस तक लेने से इंकार कर दिया और सारी खबरों की ओर से आंख-कान बंद कर के सरकार, इस उम्मीद में कि उसके प्रचार के सामने सब कुछ भुला दिया जाएगा, सब कुछ सुचारु रूप से चल रहा होने का अपना ढोल पीटने में लग गयी इसी के हिस्से के तौर पर पहले उप-राष्ट्रपति और फिर राष्ट्रपति को ही नहीं, देश के सबसे बड़े धनपतियों में से एक, अंबानी परिवार को बाकायदा वीवीआईपी स्नान कराया गया।

तंत्र की नाकामी

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भयावह भगदड़ में जिन 18 लोगों की जान गई, उसे महज दुर्घटना नहीं कहा जा सकता। सही मायने में यह योजना, दूरदर्शिता और जवाबदेही की विफलता थी। जैसा कि पहले से पता था कि रोज हजारों तीर्थयात्री प्रयागराज महाकुंभ के लिये ट्रेनों में चढ़ने के लिये उमड़ रहे थे, अधिकारी उस भारी भीड़ का अनुमान लगाने और उसे प्रबंधित करने में विफल रहे। जिसके चलते यह दुखद हादसा घटित हुआ। पूर्व रेल मंत्री पवन बंसल समेत कई विपक्षी नेताओं ने रेल मंत्री की जवाबदेही तय करने की मांग है। उनका कहना है कि यात्रियों की अप्रत्याशित संख्या में वृद्धि को देखते हुए भीड़ नियंत्रण के लिये उपाय करने में सरकार विफल रही है, जो एक गंभीर चूक है। निस्संदेह, महाकुंभ पहली बार नहीं हो रहा है। रेलवे यातायात संचालन में इसके पैमाने और प्रभाव का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। इसके बावजूद इस त्रासदी का सामने आना कई सवालों को जन्म देता है। सवाल मृतकों व यात्रियों को दिये जाने वाले मुआवजे को लेकर भी है। जबकि सामान्य दिनों में वर्ष 2023 की मुआवजा निर्देशिका में निर्धारित मुआवजा राशि में बड़ा अंतर है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार प्रणालीगत मुद्दों को ठीक करने के बजाय नकद भुगतान बढ़ाकर तंत्र की साख को हुई क्षति की पूर्ति का प्रयास कर रही है। यही वजह है कि विपक्षी दल रेलमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। हादसे की सूचना की लीपापोती को लेकर भी सवाल उठे हैं। कहा जा रहा है कि ऐसे रेल हादसों के वक्त रेलमंत्री के रूप में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए लाल बहादुर शास्त्री और नीतीश आदि ने अपने पद से त्यागपत्र दिए थे। दरअसल, इस्तीफे से परे रेलवे में प्रणालीगत सुधार की भी आवश्यकता है। भारतीय रेलवे को अपने भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल में सुधार करने की जरूरत है। खासकर धार्मिक पर्वों और त्योहार की भीड़ के दौरान अतिरिक्त सावधानी की जरूरत महसूस की जाती है।सही मायनों में दिल्ली समेत तमाम रेलवे स्टेशनों में तीर्थयात्रियों की अप्रत्याशित भीड़ को देखते हुए टिकटों के वितरण और नई ट्रेनों के संचालन को लेकर जिस संवेदनशील प्रशासन की जरूरत थी, वह नजर नहीं आया। ट्रेनों के आने के समय और उनके स्थगित होने पर कारगर वैकल्पिक व्यवस्था की जरूरत थी,वह नजर नहीं आई। दिल्ली हादसे के बारे में कहा जा रहा है कि एक नाम की दो ट्रेनों को लेकर मची भगदड़ हादसे की वजह बनी। एक अनुमान के अनुसार रेलवे प्रयागराज जाने वाले यात्रियों के लिए हर घंटे डेढ़ हजार सामान्य टिकट जारी कर रहा था। जिसके चलते प्लेटफॉर्मों पर तिल धरने की जगह नजर नहीं आ रही थी। निश्चित जगह में बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने तथा सीमित मात्रा में टिकट जारी करने की जरूरत थी। पैदल यात्रियों के लिये बने ओवरब्रिज पर लोग पहले ही बैठे थे और नई ट्रेन के आने की घोषणा से मची भगदड़ में कुछ लोग गिरे तो अन्य कई लोग गिरते गए, और दुखद हादसा हो गया। अनुमान लगाना चाहिए था कि सप्ताहांत में यात्रियों की संख्या बढ़ेगी, उसी हिसाब से चौकस सुरक्षा तथा ट्रेनों का संचालन व टिकट वितरण किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में तीर्थ यात्रियों के रेल में असुरक्षित सफर करने के वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार आ रहे थे। यहां तक कि कंफर्म टिकट वाले यात्री भी ट्रेनों में जगह नहीं पा रहे थे। आरक्षित डिब्बों में घुसने के लिये टकराव तक देखा जा रहा था। रेलवे को सुनिश्चित करना चाहिए था कि सफर के लिये यात्री अपनी जान को जोखिम में न डालें। यात्रियों के स्तर पर भी जिम्मेदार व अनुशासित व्यवहार होना चाहिए था। तीर्थयात्रियों में जो संयम व धैर्य होना चाहिए, वह भी अव्यवस्था के चलते चूकता नजर आया है। सही मायनों में तीर्थयात्री यदि अपनी सुरक्षा के प्रति गंभीर रहें तो ऐसे हादसे टाले जा सकते हैं। दरअसल, भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देश में भीड़ प्रबंधन के वैज्ञानिक तौर-तरीके अपनाये जाने की जरूरत है। मुट्ठीभर पुलिसकर्मियों के सहारे भीड़ नियंत्रण संभव नहीं है। बहरहाल, हादसे की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

नया टैक्स बिल 2025: पारदर्शिता या डिजिटल निगरानी

सचिन श्रीवास्तव

> सरकार का तर्क है कि इससे कर चोरी पर नियंत्रण आसान होगा, लेकिन इससे निजता के अधिकारों का उल्लंघन भी हो सकता है। यह सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे को भी प्रभावित कर सकता है। विधेयक में कर से जुड़े शब्दों और प्रावधानों को सरल भाषा में लिखा गया है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से समझ सकें। उदाहरण के लिए, असेसमेंट ईयर्य को टैक्स ईयरश् से बदला गया है। इससे कर अनुपालन दर बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि एक बड़ा वर्ग इन अनुमानों को सिरे से खारिज करता है। पहली बार क्रिप्टो करेंसी को कर कानून के दायरे में लाया गया है। अब इसे अघोषित आय की श्रेणी में रखा गया है और कर अधिकारियों को डिजिटल संपत्तियों की जब्ती का अधिकार दिया गया है। इससे क्रिप्टो निवेशकों में चिंता बढ़ सकती है और निवेश प्रवृत्तियों में बदलाव आ सकता है।

भारत सरकार ने नया टैक्स बिल 2025 संसद में पेश किया है, जिसका उद्देश्य मौजूदा कर प्रणाली को सरल बनाना और कर प्रशासन को तकनीकी रूप से अधिक उन्नत बनाना है। यह विधेयक 1961 के आयकर अधिनियम की जगह लेगा और 2026 से प्रभावी होने की संभावना है। यह न केवल करदाताओं के लिए बल्कि भारत की आर्थिक और डिजिटल संरचना के लिए भी महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा।नए विधेयक के तहत कर अधिकारियों को करदाताओं के डिजिटल डेटा, सोशल मीडिया गतिविधियों, ऑनलाइन लेन-देन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुंचने की अनुमति दी गई है।

सरकार का तर्क है कि इससे कर चोरी पर नियंत्रण आसान होगा, लेकिन इससे निजता के अधिकारों का उल्लंघन भी हो सकता है। यह सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे को भी प्रभावित कर सकता है। विधेयक में कर से जुड़े शब्दों और प्रावधानों को सरल भाषा में लिखा गया है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से समझ सकें। उदाहरण के लिए, असेसमेंट ईयर्य को टैक्स ईयरश् से बदला गया है। इससे कर अनुपालन दर बढ़ने की उम्मीद की जा रही है। पहली बार क्रिप्टो करेंसी को कर कानून के दायरे में लाया गया है। अब इसे अघोषित आय की श्रेणी में रखा गया है और कर अधिकारियों को डिजिटल संपत्तियों की जब्ती का अधिकार दिया गया है। इससे क्रिप्टो निवेशकों में चिंता बढ़ सकती है और निवेश प्रवृत्तियों में बदलाव आ सकता है। यदि कोई एनआरआई भारत में रुपए 15 लाख या उससे अधिक की आय अर्जित करता है, तो उसे भारतीय करदाता माना जाएगा। इससे भारत में निवेश करने वाले अनिवासी भारतीयों पर प्रभाव पड़ सकता है। टैक्स प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की कोशिश निवेशकों के लिए भारत को अधिक आकर्षक बना सकता है। हालांकि, डिजिटल निगरानी का बढ़ा हुआ दायरा विदेशी कंपनियों के लिए चिंता का विषय बन सकता है। सरल भाषा और पारदर्शिता कर अनुपालन को बढ़ाने में मदद कर सकती है। करदाता अब जटिल कानूनी प्रावधानों से बच सकेंगे, जिससे सरकार को अधिक राजस्व मिल सकता है। सरकार का बढ़ता डिजिटल हस्तक्षेप नागरिकों की निजता पर प्रश्नचिह्न लगा सकता है। यदि डेटा सुरक्षा कानून मजबूत नहीं किए गए, तो यह विधेयक सरकार के लिए आलोचना का कारण बन सकता है। क्रिप्टो करेंसी पर सख्त नियमों से इस क्षेत्र में निवेश की गति धीमी हो सकती है। निवेशक अधिक लचीले कर नियमों वाले देशों की ओर रुख कर सकते हैं। सरकार कर अधिकारियों को डिजिटल निगरानी का अत्यधिक अधिकार दे रही है, जिससे नागरिकों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। यह निगरानी राज्य के रूप में सरकार की छवि बना सकता है। नए डिजिटल अनुपालन मानदंडों को पूरा करना छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए कठिन हो सकता है। इससे उनका प्रशासनिक खर्च बढ़ सकता है। विधेयक में कर दरों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। यदि उच्च कर दरें लागू की जाती हैं, तो इससे मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। भारत में 15 लाख से अधिक कमाने वाले एनआरआईएस को निवासी करार देने से कानूनी विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। इससे विदेशी निवेश और प्रवासी भारतीयों के भारत में व्यापार करने की इच्छा प्रभावित हो सकती है। सरकार का यह कदम कर चोरी को रोकने और कर संग्रह बढ़ाने में मदद कर सकता है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया जाए, तो भारत की कर व्यवस्था अधिक कुशल और पारदर्शी बन सकती है। इस विधेयक में निगरानी संबंधी प्रावधानों के कारण नागरिकों की निजता की सुरक्षा के लिए मजबूत डेटा सुरक्षा कानून बनाना आवश्यक होगा। भारत में क्रिप्टो करेंसी के लिए स्पष्ट कर नियम आवश्यक होंगे, ताकि निवेशकों को अनिश्चितता से बचाया जा सके और सरकार को राजस्व का लाभ मिल सके। भले ही यह विधेयक टैक्स प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसे लगातार अद्यतन करने की जरूरत होगी ताकि यह बदलती अर्थव्यवस्था और तकनीकी परिदृश्य के अनुकूल बना रहे। नया टैक्स बिल 2025 कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने का प्रयास करता है। यह डिजिटल कराधान, क्रिप्टो करेंसी और अनिवासी भारतीयों से जुड़े मुद्दों को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हालांकि, इसमें निजता की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी के दुरुपयोग, छोटे व्यवसायों पर प्रभाव और विदेशी निवेश पर संभावित असर जैसी चुनौतियां भी हैं। यदि सरकार इन खामियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाती है, तो यह विधेयक भारत की कर प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार ला सकता है।

विराट कोहली की इन 6 रिकॉर्ड्स पर नजर सचिन-गेल को पछाड़ने का सुनहरा मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 बुधवार से शुरू होने जा रही है। टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में आयोजित होगा। वहीं इस मेगा इवेंट में भारत अपने अभियान की शुरूआत बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी से करेगा। बता दें कि, हाइब्रिड मॉडल के तहत भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। वहीं इस दौरान टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक नहीं बल्कि 6 धांसू रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। जिससे वह सचिन तेंदुलकर और क्रिस गेल को पछाड़ सकते हैं। कोहली सबसे तेज 14 हजार वनडे रन कंप्लीट करने का कीर्तिमान रच सकते हैं। उन्हें ये उपलब्धि हासिल करने के लिए महज 37 रन की जरूरत है। उन्होंने अभी तक 297 वनडे मैचों की 185 पारियों में 13,963 रन बनाए हैं। कोहली महान बल्लेबाज सचिन का रिकॉर्ड ध्वस्त करेंगे, जिन्होंने 350 वनडे पारियों में 14000 रन पूरे किए। सचिन के अलावा श्रीलंका के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर कुमार संगाकारा ने 14 हजार वनडे रन का आंकड़ा पार किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। उनके पास ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पछाड़ने का मौका है। कोहली ने भारत के लिए सभी फॉर्मेट में 545 मैच खेले हैं और 27,381 रन बनाए हैं। अगर वह चैंपियंस ट्रॉफी में कम से कम 103 रन बनाने में सफल रहे तो पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे। पोंटिंग ने अपने करियर में ऑस्ट्रेलिया के लिए 560 मैच खेले और 27,483 रन बनाए। 36 वर्षीय कोहली वनडे फॉर्मेट में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। उन्हें ऐसा करने के लिए 271 रनों की आवश्यकता है। कोहली संगकारा को पछाड़ेंगे, जिन्होंने 404 वनडे मैचों में 14234 रन बटोरे। वनडे में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर (18,436) के नाम दर्ज है। कोहली इसके अलावा वनडे में बतौर फील्डिर दूसरे सबसे ज्यादा कैच लेने वाले क्रिकेटर बन सकते हैं। वह फिलहाल 154 कैच के साथ चौथे स्थान पर हैं। उन्हें मोहम्मद अजहरुद्दीन से आगे निकलने के लिए तीन और रिकी पोंटिंग से आगे निकलने के लिए सात कैच की दरकार है। इस लिस्ट में टॉप पर महेला जयवर्धने 218 कैच के साथ हैं। इसके अलावा कोहली चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉपी में 13 मैचों में 88.16 की औसत से 529 रन बनाए हैं। वह सर्वाधिक रन बनाने वाले प्लेयर्स की लिस्ट में 11वें पायदान पर हैं। कोहली को नंबर वन बनने के लिए 262 रनों की दरकार है। चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अभी गेल के नाम है।

चोटिल लॉकी फर्ग्यूसन चैंपियंस ट्रॉफी से हुए बाहर

एजेंसी

लाहौर। न्यूजीलैंड को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की पूर्व संध्या पर उस समय बड़ा झटका लगा जब उसके प्रमुख तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। फर्ग्यूसन दाहिने पैर में चोट के कारण आठ टीमों के टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह न्यूजीलैंड की टीम में तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को शामिल किया गया है। फर्ग्यूसन के जाने से चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। इस सप्ताह की शुरुआत में चोट के कारण टीम को तेज गेंदबाज बेन सियर्स टूर्नामेंट से बाहर हो गये और उनकी जगह जैकब डफी को टीम में शामिल किया गया। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, हम लॉकी के लिए वास्तव में निराश हैं। उन्होंने कहा कि लॉकी गेंदबाजी समूह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे और उसके पास कई बड़े टूर्नामेंटों का अनुभव है और हम जानते हैं कि वह किसी अन्य प्रमुख आयोजन में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए कितना उत्सुक था। हम उसके ठीक होने और जल्द ही वापसी करते हैं। न्यूजीलैंड 19 फरवरी को लाहौर में टूर्नामेंट के पहले मैच में मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

संक्षिप्त सामाचार

आयरलैंड ने जिम्बाब्वे को दिया 241 रनों का लक्ष्य

हरारे। लोर्कान टकर (61), एंडी बैलबर्नी (64) और हैरी टेक्टर (51) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के दम पर आयरलैंड ने मंगलवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को जीत के लिए 241 रनों का लक्ष्य दिया हैं। आज यहां जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही उसने 42 के स्कोर तक अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान पॉल स्टर्लिंग (नौ) और कर्टिस कैमफर (11) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हैरी टेक्टर ने एंडी बैलबर्नी के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 86 रनों की साझेदारी हुई। 33वें ओवर में वेलिंग्टन मसाकाट्जा एंडी बैलबर्नी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। एंडी बैलबर्नी ने 99 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (64) रनों की पारी खेली।

इसके बाद 39वें ओवर में रिचर्ड एन्गारावा ने हैरी टेक्टर (51) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। जॉर्ज डॉकरेल (दो) रन बनाकर आउट हुये। लोर्कान टकर ने 54 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। उन्हें 50वें ओवर में ब्लेसिंग मुजरबानी ने बोल्ड आउट किया। आयरलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 240 रन का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड एन्गारावा और ट्रेवर ग्वांडू ने दो-दो विकेट लिये। ब्लेसिंग मुजरबानी और वेलिंग्टन मसाकाट्जा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 के लिए मुख्य स्टेडियम की घोषणा मार्च में होगी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया क्वींसलैंड प्रांत की सरकार ने मंगलवार को कहा कि ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 और पैरालिंपिक खेलों के लिए मुख्य स्टेडियम के जगह की घोषणा मार्च में की जाएगी। क्वींसलैंड के उप प्रधानमंत्री जारोड ब्लेजी ने बताया कि चर्चा के बाद 25 मार्च को सरकार मुख्य स्टेडियम की जगह बारे में घोषणा करेगी। उन्होंने कहा कि खेलों के लिए बुनियादी ढांचे प्रदान करने के लिए चल रही स्वतंत्र समीक्षा में 08 मार्च को सरकार को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने वाली है। रिपोर्ट में इस बात की सिफारिश की जाएगी कि नया स्टेडियम बनाया जाए या नहीं और एथलेटिक्स खेल कहाँ आयोजित किए जाएँगे। उन्होंने कहा, क्वींसलैंड के लोग विश्व मंच पर खेलों को लेकर किसी तरह आलोचना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि हम 2032 ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों का आयोजन करेंगे, जिस पर हमारा प्रांत गर्व कर सके और जो हमें विश्व मंच पर एक महान प्रांत के रूप में उभरकर सामने आये।

अदाणी समूह देशभर में 20 स्कूलों की स्थापना के लिए 2,000 करोड़ रुपये का योगदान देगा

नयी दिल्ली। अदाणी समूह ने देशभर में कम से कम 20 स्कूलों के निर्माण के लिए 2,000 करोड़ रुपये का दान देने की घोषणा की। समूह के संस्थापक गौतम अदाणी के छोटे बेटे की शादी के समय समूह ने परमार्थ कार्यों पर 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की थी। समूह ने पहले अस्पतालों के निर्माण के लिए 6,000 करोड़ रुपये और कौशल विकास के लिए 2,000 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह की परमार्थ इकाई अदाणी फाउंडेशन ने ''देशभर में शिक्षा के मंदिर स्थापित करने के लिए निजी के-12 शिक्षा में वैश्विक अग्रणी जेम्स एजुकेशन के साथ गठजोड़ किया है। फाउंडेशन ने बयान में कहा, ''अदाणी परिवार से 2,000 करोड़ रुपये के शुरुआती योगदान के साथ साझेदारी समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए विश्वस्तरीय शिक्षा और सीखने के बुनियादी ढांचे को किफायती बनाने को प्राथमिकता देगी।

ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर बोलीं-जसपाल राणा मेरे कोच बने रहेंगे, हम अप्रैल में विश्व कप में जायेंगे

नई दिल्ली। दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने कहा कि जसपाल राणा उनके कोच बने रहेंगे जिन्हें भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पिस्टल निशानेबाजी का हाई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किया है। चार बार एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता राणा और मनु के बीच टोक्यो ओलंपिक से पहले मतभेद हो गए थे लेकिन पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले दोनों फिर साथ आये। मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। राणा के मार्गदर्शन में मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली आजादी के बाद पहली भारतीय खिलाड़ी बनी।

मैंने इस्तीफा नहीं दिया है, कार्यकाल पूरा करूंगी

आईओए पैनल छोड़ने की खबरों पर बोलीं मैरी कॉम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष और महान मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने मंगलवार को इन खबरों का खंडन किया कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी बात को गलत समझा गया और वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगी । लंदन ओलंपिक 2012 कांस्य पदक विजेता मणिपुर की 42 वर्ष की इस मुक्केबाज ने पिछले सप्ताह राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में हलद्वानी में एक 'खराब होटल' में ठहराये जाने पर नाराजगी जताई थी । मैरी कॉम ने पीटीआई से कहा कि उनकी नाराजगी को इस्तीफा मान लिया गया। उन्होंने कहा, मैंने इस्तीफा नहीं दिया है। मैं अपना कार्यकाल (2026 के अंत तक) पूरा करूंगी। उन्होंने कहा, मैं अपने साथी सदस्यों (खिलाड़ियों के आयोग में) से इतना ही कह रही थी कि आगे से ऐसा हुआ तो मैं इस्तीफा दे सकती हूं। मैंने यह कभी नहीं कहा कि मैं इस्तीफा दे रही हूं । आईओए मेरा परिवार है और अगर मैं किसी बात को लेकर नाराज हूं तो मुझे उसे व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। मैरी कॉम को 2022 में पैनल में चुना गया था जिसमें टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल उपाध्यक्ष हैं। आयोग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु, पूर्व शॉटपुट खिलाड़ी ओम प्रकाश करहाना, शीतकालीन ओलंपियन शिवा केशवन, लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग, नौकायन खिलाड़ी बजरंग लाल ताखड़, तलवारबाज भवानी देवी, पूर्व हॉकी कप्तान रानी रामपाल और तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू हैं। मैरी कॉम ने कहा, मुझे समझ में नहीं आता कि जब भी मैं किसी मामले पर आवाज उठाती हूं तो उसे इस तरह लिया जाता है। मेरे साथी कई खिलाड़ी कई मसलों पर बोलते हैं लेकिन उन्हें कोई गलत नहीं समझता।

उन्होंने कहा, मुझे राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में खराब होटल में रखा जबकि बेहतर होटल उपलब्ध था । अगर दूसरों को उसमें रखा जा सकता था तो मुझे क्यो नहीं। मैंने यही सवाल किया था। उन्होंने कहा,बाद में मुझे पता चला कि लोग कह रहे हैं कि मैने इस्तीफा दे दिया। कहां है इस्तीफा। क्या किसी ने देखा है। यह पूछने पर कि क्या उन्होंने आईओए अध्यक्ष पीटी उषा से इस पर बात की है ,उन्होंने कहा, मैं नहीं कर पाई क्योंकि मेरा फोन खो गया है। मैं उनसे बात करूंगी । मेरा उनके अच्छा संवाद है।

एएससीआई और ऑनलाइन गेमिंग उद्योग सट्टेबाजी विज्ञापनों के खिलाफ एकजुट

एजेंसी

मुंबई। भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) ने अवैध ऑफशोर सट्टेबाजी और जुए के विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए भारतीय फैंटेसी स्पोर्ट्स महासंघ (एफआईएफएस), अखिल भारतीय गेमिंग महासंघ (एआईजीएफ) और ई-गेमिंग महासंघ (ईजीएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

यह साझेदारी एक विशेष निगरानी प्रकोष्ठ स्थापित करेगी, जो संबंधित मंत्रालयों को अवैध विज्ञापनों की स्क्रीनिंग और रिपोर्टिंग पर केंद्रित होगी। इसके अलावा यह प्रकोष्ठ रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) विज्ञापनों की भी जांच करेगा ताकि वे एएससीआई के दिशा-निर्देशों का पालन करें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऑफशोर सट्टेबाजी विज्ञापनों की पहचान कर नियामकों तक पहुंचाना और आरएमजी उद्योग के अनुपालन को मजबूत करना है। यह समझौता ज्ञापन 02 जनवरी 2025 से प्रभावी रहेगा। समझौते के लागू होने के बाद से

एएससीआई ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय को 413 ऑफशोर सट्टेबाजी विज्ञापनों को रिपोर्ट किया है जबकि आरएमजी दिशानिर्देशों के उल्लंघन पर 12 विज्ञापनों पर कार्रवाई की गई। इससे पहले अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के बीच एएससीआई ने 1336 ऐसे विज्ञापनों को फ्लैग किया था, जिसके आधार पर सरकार ने कई प्लेटफार्मों और विज्ञापनों को प्रतिबंधित किया था। भारत के अधिकांश राज्यों में जुआ और सट्टेबाजी गैरकानूनी है और ऐसे विज्ञापनों का प्रसारण प्रतिबंधित है। हालांकि, कौशल-आधारित रियल-मनी गेम्स को कई राज्यों में मान्यता प्राप्त है, जिससे उनके विज्ञापन की अनुमति है। कई ऑफशोर कंपनियां खुद को कानूनी गेमिंग कंपनियों के रूप में प्रस्तुत कर उपभोक्ताओं को गुमराह करने की कोशिश करती हैं। एएससीआई की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनीषा कपूर ने कहा, भारतीय उपभोक्ता विदेशी सट्टेबाजी विज्ञापनों के लगातार संपर्क में हैं, जिनकी भारत में कोई जवाबदेही नहीं है। कई भारतीय हस्तियां भी इनमें शामिल रही हैं। हम ऐसे विज्ञापनों को नियामकों तक पहुंचाने और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एफआईएफएस के सीईओ नील कैस्टेलिनो ने कहा, हम जिम्मेदार विज्ञापन को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम मानकों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं को अवैध प्लेटफार्मों से बचाना और भारतीय आरएमजी उद्योग में जिम्मेदारीपूर्ण विज्ञापन संस्कृति को मजबूत करना है। ईजीएफ के सीईओ अनुराग सक्सेना ने कहा, ऑफशोर सट्टेबाजी से भारतीय उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को नुकसान हुआ है। एएससीआई का यह निगरानी प्रकोष्ठ इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे हम गेमिंग क्षेत्र में नैतिक मानकों को बनाए रखेंगे। एआईजीएफ के सीईओ रोलैंड लैंडर्स ने कहा, एआईजीएफ लंबे समय से जिम्मेदार गेमिंग प्रथाओं की वकालत कर रहा है। यह समझौता ज्ञापन उपभोक्ताओं की सुरक्षा, नैतिक विज्ञापन और भारतीय ऑनलाइन गेमिंग उद्योग की विश्वसनीयता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एसीसी के लिए समझौते पर हस्ताक्षर

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने उन्नत रसायन सेल (एसीसी) योजना में रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड के साथ कार्यक्रम समझौते पर हस्ताक्षर किए है। भारी उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि सरकार ने देश में उन्नत बैटरी विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़े कदम के रूप में एसीसी के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड के साथ एक कार्यक्रम समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता वैश्विक निविदा प्रक्रिया के बाद रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड को 10 गीगावाट घंटा एसीसी क्षमता की अनुमति देता है। मंत्रिमंडल ने 18000 करोड़ रुपए के परिव्यय से उन्नत रसायन सेल बैटरी स्टोरेज पर राष्ट्रीय कार्यक्रम को पीएलआई योजना के अंतर्गत अनुमति दी है। इसका उद्देश्य 50 गीगावाट घंटा की कुल विनिर्माण क्षमता हासिल करना है। मंत्रालय का कहना है कि पीएलआई एसीसी योजना स्थानीय मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है और यह भी सुनिश्चित किया गया है कि भारत में बैटरी निर्माण की लागत वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनी रहे।

यूएई में लॉन्च हुआ रिलायंस का कैम्पा ब्रांड, एग्थिया ग्रुप के साथ साझेदारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्री लिमिटेड की सहायक इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने अपने प्रतिष्ठित कैम्पा ब्रांड को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि इस लॉन्च की घोषणा दुबई में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े फूड एंड बेवरेज सोर्सिंग इवेंट, गल्फूड में की गई। रिलायंस ने इस पहल के लिए यूएई की प्रमुख फूड एंड बेवरेज कंपनी एग्थिया ग्रुप के साथ साझेदारी की है। आरसीपीएल के सीओओ केतन मोदी ने कहा, हम 50 साल पुराने भारतीय ब्रांड कैंपा को यूएई के बाजार में लाकर बेहद उत्साहित हैं। इस क्षेत्र में तेजी से विकास की संभावना है और हम दीर्घकालिक निवेश की योजना बना रहे हैं। कैंपा सिर्फ एक सॉफ्ट ड्रिंक नहीं बल्कि भारत की विरासत और स्वाद का

प्रतीक है। हमें विश्वास है कि यूएई के उपभोक्ताओं को इसका ताज़ा स्वाद पसंद आएगा। एग्थिया ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन स्मिथ ने साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए कहा, रिलायंस के साथ मिलकर कैंपा कोला को यूएई में लाना हमारे लिए गर्व की बात है। यह ब्रांड भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ गहरी भावनात्मक जुड़ाव रखता है और स्थानीय उपभोक्ताओं को भी पसंद आएगा। हमारा मजबूत वितरण नेटवर्क इस प्रतिष्ठित ब्रांड को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद करेगा। कंपनी के अनुसार, शुरुआत में कैम्पा कोला, कैम्पा लेमन, कैम्पा ऑरेंज और कोला ज़ीरो लॉन्च किए जाएंगे। अपनी आकर्षक लाल और बैंगनी पैकेजिंग और किफायती मूल्य के साथ कैम्पा, यूएई के बाजार में एक नई पहचान बनाने को तैयार है। उल्लेखनीय है कि रिलायंस ने वर्ष 2022 में कैम्पा कोला का अधिग्रहण किया था और 2023 में इसे भारत में फिर से लॉन्च किया था। अब यूएई में इसकी लॉन्चिंग के साथ रिलायंस का यह ब्रांड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत करने की ओर बढ़ रहा है।

आरजीआईए में 22 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा जब्त

हैदराबाद। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने मंगलवार को तेलंगाना में शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर एक यात्री से 22 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की। सीआईएसएफ अधिकारियों ने बताया कि आमिर अहमद नाम का एक यात्री हैदराबाद से दुबई जा रहा था, तभी उनकी टीम को संदेह हुआ और उन्होंने गहन जांच की। हवाई अड्डे के आधिकारिक सूत्र ने बताया कि 22 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा पाए जाने पर अधिकारियों ने तुरंत उसे जब्त कर लिया और आगे की पूछताछ के लिए अहमद को हिरासत में लिया।

भारत, अमेरिका छह से आठ माह में मजबूत समझौते से व्यापार को 500 अरब डॉलर करने को प्रतिबद्धः गोयल

एजेंसी

नयी दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करने तथा अगले छह से आठ माह में एक 'मजबूत' व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान भारत और अमेरिका ने 2030 तक द्विपक्षीय वाणिज्य को दोगुने से अधिक करते हुए 500 अरब डॉलर करने तथा 2025 तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किस्त पर बातचीत करने की घोषणा की। गोयल ने कहा कि एक बार उनके अमेरिकी समकक्ष के कार्यभार संभालने के बाद दोनों देश समझौते की रूपरेखा पर चर्चा करेंगे। गोयल ने यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की भारत-कतर व्यापार मंच बैठक के मौके पर संवाददाताओं से कहा, अगले छह से आठ महीनों में एक मजबूत व्यापार समझौता स्थापित करके हम व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के कारोबारी इस समझौते को लेकर उत्साहित हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या समझौते में वस्तुओं, सेवाओं और निवेश से संबंधित अध्याय होंगे, तो उन्होंने कहा, अमेरिका में मेरे समकक्ष ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है... (पुष्टि) के बाद, हम बातचीत करेंगे और उसके बाद ही हम आगे का रास्ता तय कर सकते हैं। आम तौर पर मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में दो व्यापारिक साझेदार अपने बीच व्यापार की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को या तो समाप्त कर देते हैं या काफी कम कर देते हैं। इसके अलावा, वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश को बढ़ावा देने के लिए मानदंडों को आसान बनाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, दोनों देशों ने एक छोटे व्यापार समझौते पर चर्चा की थी।

भारत की चिकित्सा प्रणाली और सामाजिक नीतियों में अमेरिकी हस्तक्षेप चिंताजनकः सान्याल

एजेंसी

नयी दिल्ल। प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा है कि भारतीय चुनावों में यूएस एड के हस्तक्षेप के बारे में चिंतित लोगों को भारत की चिकित्सा प्रणाली और सामाजिक नीतियों में यूएस एड के हस्तक्षेप के बारे में भी उतना ही चिंतित होना चाहिए। भारतीय चुनाव में अमेरिकी एजेंसियों के हस्तक्षेप पर श्री सान्याल ने सोमवार को 'एक्स' पर कहा, यूएस एड ने 1990 के दशक से लेकर दो साल पहले बंद होने तक भारत के

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण को प्रभावी ढंग से चलाया। यह भारत में सबसे महत्वपूर्ण चिकित्सा डेटासेट है और स्वास्थ्य नीति को बहुत प्रभावित करता है। हम न केवल एक विदेशी एजेंसी को हमारे चिकित्सा डेटा को इकट्ठा करने की अनुमति दे रहे थे, बल्कि उन्हें सर्वेक्षण और प्रत्यक्ष विश्लेषण करने की अनुमति देकर, हम उन्हें हमारे राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करने दे रहे थे। उन्होंने कहा कि समान तरीके से चिंताजनक रूप से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण

प्रश्नावली का अधिकांश भाग जानबूझकर कुछ सामाजिक आख्यानों का समर्थन करने के लिए बदला गया था। उदाहरण के लिए, पुरुषों के लिए प्रश्नावली केवल 29 पृष्ठों की है, लेकिन महिलाओं के लिए 94 पृष्ठों की है। बहुत से अतिरिक्त प्रश्न जानबूझकर भारतीय महिलाओं के खिलाफ अंतर-पारिवारिक हिंसा की कहानी को उभारने के लिए लिखे गए हैं।

प्रधान सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, राजकुमार यादव द्वारा राज आफसेट एबीसी काम्पलेक्स अपोजिट शुभम सिनेमा क्वीनटन रोड कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित कराकर 424-बी वैशाली इंक्लेब सेक्टर 9 इंदिरानगर लखनऊ से प्रकाशित।
समस्त विवाद वाराणसी न्यायलय के अधीन होंगे। फोन नं. 9935781155 E-mail :- info.shakuntimes@gmail.com RNI: UPHIN/2012/45286 प्रधान कार्यालय:- शक्तिपीठ, बरईपुर, सारनाथ, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) पिन कोड - 221007

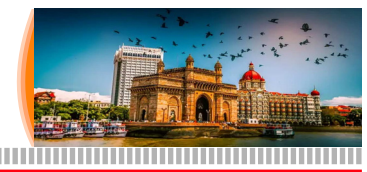

प्लेटफॉर्म बदलने के कारण हुआ था नई दिल्ली स्टेशन पर हादसा : आरपीएफ

एजेंसी

नयी दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने गत शनिवार को नई दिल्ली स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्टेशन पर प्रयागराज के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन के प्लेटफॉर्म में परिवर्तन की घोषणा के बाद अफरातफरी में फुटओवर ब्रिज पर लोगों में धक्का-मुक्की के बाद यात्री एक दूसरे पर गिरने लगे जिससे 20 यात्रियों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। आरपीएफ चौकी नई दिल्ली के प्रभारी निरीक्षक द्वारा वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (समन्वय) को रविवार को सौंपी गई रिपोर्ट में विस्तार से घटना की जानकारी दी। हालांकि हताहतों की संख्या के बारे में रेल अधिकारियों और आरपीएफ रिपोर्ट के दावे अलग अलग हैं। रिपोर्ट में प्रभारी निरीक्षक ने लिखा है कि दिनांक 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सामान्य दिनों की भांति प्रयागराज की तरफ जाने वाली भीड़-भाड़ वाली गाड़ियों को निरीक्षक नई दिल्ली हमराह स्टाफ आरपीएफ पोस्ट नई दिल्ली एवं मंडल की अन्य पोस्टों से आये स्टाफ के साथ कुम्भ मेले के दौरान भीड़ को और दिनों की तरह ठीक-ठाक पास करवाया जा रहा था। गाड़ी संख्या 12560 शिवगंगा के प्लेटफॉर्म 12 से प्रस्थान होने के बाद अचानक से स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी जिससे फुटओवर ब्रिज 2 और 3 चोक हो गए तथा प्लेटफॉर्म 12-13,14-15 एवं 16 पर जाम की स्थिति पैदा हो गयी। मौके पर ही सहायक सुरक्षा आयुक्त (नई दिल्ली) फुटओवर ब्रिज 2 पर आये और भीड़ का आंकलन कर स्टेशन डायरेक्टर को और अधिक टिकट बेचने से मना किया और अधिक भीड़ होने का अंदेशा जताते हुए सतर्कता बरतने के लिए कहा गया। रिपोर्ट के अनुसार आरपीएफ प्रभारी ने सीसीटीवी के माध्यम से उद्घोषणा करवाकर सभी ऑन ड्यूटी तथा ऑफ ड्यूटी स्टाफ को तुरंत उक्त प्लेटफॉर्म और फुटओवर ब्रिजों पर पहुचने के निर्देश दिए तथा स्टेशन डायरेक्टर को स्पेशल गाड़ी भर जाने पर तुरंत चलाने का आदेश देने हेतु कहा गया और स्वयं स्टाफ के साथ फुटओवर ब्रिज 2 पर मौजूद रहकर तथा अन्य अधिकारियो को स्टाफ के साथ फुटओवर ब्रिज 3 पर पहुँच कर स्थिति को सँभालने के निर्देश दिए। इसी दौरान सहायक सुरक्षा आयुक्त (नई दिल्ली) स्वयं फुटओवर ब्रिज 3 पर पहुंचे और स्टाफ के साथ मिलकर फुटओवर ब्रिज 3 को क्लियर करने का प्रयास किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब रेलवे सुरक्षा बल द्वारा फुटओवर ब्रिज 2 और 3 को क्लियर करवाने का प्रयास किया जा रहा था उसी दौरान समय करीब 20:45 बजे उद्घोषणा हुई कि प्रयागराज को जाने वाली कुम्भ स्पेशल प्लेटफॉर्म 12 से जाएगी लेकिन उसके कुछ समय बाद स्टेशन पर दोबारा उद्घोषणा की गई कि कुम्भ स्पेशल प्लेटफॉर्म 16 से जाएगी जिसके चलते यात्रिओं में भगदड़ की स्थिति उत्पन हो गयी जबकि उस समय प्लेटफॉर्म 14 पर गाड़ी संख्या 20802 मगध एक्सप्रेस व प्लेटफॉर्म 15 पर गाड़ी संख्या 12445 उत्तर सम्पर्क क्रांति खड़ी थी तथा गाड़ी संख्या 12418 प्रयागराज एक्सप्रेस के यात्रियों की भी भीड़ प्लेटफॉर्म 14 पर मौजूद होने के कारण यात्रियों का आवागमन रुक गया था।

कन्याकुमारी से दिल्ली तक आयोजित श्रमिक सम्मान यात्रा में शामिल लोगों का किया गया स्वागत

शकुन टाइम्स संवाददाता

पालघर। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को समस्याओं का समाधान करने हेतु कन्या कुमारी से दिल्ली तक श्रमिकों सम्मान यात्रा की शुरुआत 25 जनवरी 2025 को की गई। श्रमिक सम्मान यात्रा 15 फरवरी को पालघर जिले के कासा थाना क्षेत्र अंतर्गत चारोटी पहुंची। चारोटी में कष्टकरी संघटना के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने श्रमिक सम्मान यात्रा में शामिल सभी लोगों भव्य स्वागत किया। इस दौरान चारोटी से कासा तक गर्व से कहो, हम मजदूर हैं, देश बनाने वाले हम ही हैं, श्रम की चोरी बंद करो, कहां रोजगार कहां हम, मजुरी सुद्धा कमी कमी, पेन्शन प्राप्त करने का हमारा अधिकार है। इत्यादि नारों का उदघोष करते हुए रैली निकाली गई। उक्त रैली कासा पहुंचने पर एक सभा में तब्दील हो गई। इस सभा दौरान राजू भीसे, ब्रायन लोबो, स्मिता ताई, किरण ताई, संतोष भाऊ आदि ने उपस्थित जनों को संबोधित किया। सभा का सूत्र संचालन सुनील मलावकर द्वारा किया गया।

संक्षिप्त सामाचार

जालंधर में ड्रग तस्करों की 34.36 लाख रुपये की संपत्ति जब्त

जालंधर। ड्रग तस्करों पर शिकंजा कसते हुये जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने दो ड्रग तस्करों की 34.36 लाख रुपये की चल और अचल संपत्ति जब्त की है। पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने मंगलवार को कहा कि विजय कुमार और उसके पिता अनंत राम निवासी न्यू संत नगर, बस्ती शेख, जालंधर से 510 ग्राम डेक्सट्रोप्रोपॉक्सीफीन और छह लीटर 750 एमएल शराब बरामद होने के बाद दो अक्टूबर 2012 को प्राथमिकी दर्ज की गयीं थी। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान पता चला कि दोनों ड्रग तस्करों ने ड्रग मनी से आय का उपयोग करके संपत्ति अर्जित की थी और वाहन खरीदे थे। इसके बाद, श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस ने संपत्ति जब्त करने की कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि जब्त की गयी संपत्ति में चार मरला 39 वर्ग फुट का घर शामिल है। जब्त की गयी संपत्तियों का कुल मूल्य 34,36,611 रुपये है। शहर से नशे की बुराई को खत्म करने की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुये उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जायेगा और नशे की तस्करी से अर्जित की गयी कोई भी संपत्ति या वाहन जब्त कर लिया जायेगा।

भेल ईईपीसी इंडिया क्वालिटी अवार्ड से सम्मानित

नयी दिल्ली। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को पीएसयू श्रेणी में व्यावसायिक उत्कृष्टता और उच्च गुणवत्ता मानकों के प्रति समर्पण के लिए ईईपीसी इंडिया क्वालिटी अवार्ड्स 2024 में गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया। कंपनी ने मंगलवार को बयान जारी कर बताया कि भेल की इस उपलब्धि को कंपनी की गुणवत्ता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण माना जा रहा है। यह सम्मान भेल द्वारा अपनाई गई व्यावसायिक उत्कृष्टता, 5एस, क्वालिटी सर्कल, डिजिटलीकरण जैसी कंपनी-व्यापी पहलों का परिणाम है, जो ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और सेवाएं प्रदान करने की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भेल की निदेशक (औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद) और निदेशक (ई, आर एंड डी) - अतिरिक्त प्रभार बानी वर्मा ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद से प्राप्त किया।

लेबनान में हमास के सैन्य अधिकारी की हत्या की पुष्टि

यरूशलम। इजरायली सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि इजरायली बलों ने लेबनान में हवाई हमले में हमास के एक सैन्य अधिकारी को मार डाला। इजरायली सेना और शिन बेट घरेलू सुरक्षा एजेंसी ने एक संयुक्त बयान में कहा कि युद्धक विमानों ने दक्षिणी लेबनान के एक तटीय शहर सिदोन में मोहम्मद शाहीन को हमला और मार गिराया। बयान में शाहीन की पहचान लेबनान में हमास के संचालन विभाग के प्रमुख के रूप में की गई और उन पर हाल ही में ईरानी निर्देशन और फंडिंग के तहत लेबनान के इजरायली नागरिकों के खिलाफ हमलों की योजना बनाने का आरोप लगाया गया। इसने उन्हें लेबनान से रॉकेट हमलों के लिए ज्ञान का महत्वपूर्ण स्रोत भी बताया। लेबनान स्थित हिजबुल्लाह समर्थक प्रसारक अल मायादीन ने बताया कि एक इजरायली ड्रोन हमले ने सिडोन के प्रवेश द्वार पर एक कार को निशाना बनाया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो फुटेज में राजमार्ग पर एक वाहन में आग लगी हुई दिखाई दे रही है ।

शाह ने कश्मीर में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर समीक्षा बैठक की

एजेंसी

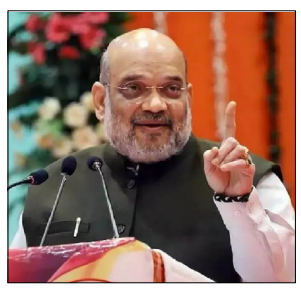

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में तीन नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के बारे में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की मौजूदगी में मंगलवार को यहां समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री अब्दुल्ला ने कहा, गृह मंत्री लगातार देश में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे हैं कि उनका किस तरह और किस हद तक इस्तेमाल किया गया है। इस संबंध में अब जम्मू-कश्मीर की बारी है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने बताया कि 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। श्री अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू-कश्मीर में काफी हद तक इन कानूनों का क्रियान्वयन अच्छा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दे रहे हैं और उन पर भी चर्चा की गई अब उन्हें भी ठीक किया जाएगा। उन्होंने कहा, जहां तक निर्वाचित सरकार का सवाल है, वैसे तो केंद्र शासित प्रदेश में कानून लागू करना हमारी जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन चूंकि ये नए कानून हैं, इसलिए यह जरूरी है कि लोगों को कानून के बारे में जागरूक किया जाए। लोगों को कानून के बारे में जागरूक करने के लिए निर्वाचित सरकार को कुछ

सुरक्षित एवं समृद्ध भविष्य के लिए जल आत्मनिर्भरता बेहद महत्वपूर्ण-भजनलाल

एजेंसी

उदयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुरक्षित एवं समृद्ध भविष्य के लिए जल आत्मनिर्भरता बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि हमें जल संरक्षण के उपायों को अपनाकर जल आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। जिससे आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य प्रदान किया जा सके। श्री शर्मा मंगलवार को उदयपुर में राज्य जल मंत्रियों के दूसरे अखिल भारतीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें एक सुव्यवस्थित रोडमैप की आवश्यकता है, जिसमें कृषि तथा शहरी जल प्रबंधन और तकनीकी नवाचार जैसे प्रमुख पहलुओं का समावेश हो। उन्होंने इस आयोजन के लिए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सम्मेलन सहयोगात्मक संघवाद की परिकल्पना की जीती-जागती मिसाल है। उन्होंने कहा कि हमारी संवैधानिक व्यवस्था में जल राज्यों का एक विषय है, लेकिन प्रधानमंत्री के अथक प्रयासों से जल राज्यों के बीच समन्वय एवं सहयोग का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में जल आत्मनिर्भरता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री मोदी ने देश के हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन के रूप में एक भगीरथी प्रयास किया है। इसका लाभ आज राजस्थान के भी करोड़ों लोगों को मिल रहा है। राज्य सरकार शेष परिवारों को नल कनेक्शन देने के लिए भी तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण को देश के विकास एजेंडे में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है तथा इस संबंध में एक अलग से जलशक्ति मंत्रालय भी बनाया जिससे जल से संबंधित परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना प्रदेश की जीवन रेखा है तथा इसके माध्यम से प्रदेश के 17 जिलों में चार लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई और तीन करोड़ से अधिक आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा।

रास्ते को लेकर दो पक्षों में झगड़ा, पांच घायल

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के मालाखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम सुमेल का बास में खेत के आम रास्ते को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया, जिसमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस के अनुसार परिवादी मनीराम ने बताया उनके परिवार के ही कुछ लोग हैं, जो उनके खेत से जबरन तरीके से रास्ता मांगते हैं। उनको रास्ता भी दे दिया, लेकिन वे खेत के बीच में से रास्ता मांगते हैं, और इसके लिये उन्होंने न्यायालय से स्थगनादेश ले रखा था, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया। उसी रंजिश के तहत गोकुल, सांवली, रामावतार रामकृपाल , अशोक ,महेश , मनीष ,यादराम ,सोनू, उमेश कपिल, बृजमोहन, काली , मीरा, आशा मनीषा कई लोग घर में घुस गये और लाठी- डंडों से मारपीट की वारदात को अंजाम दिया गया।

जरूरत पड़ी तो जेलेंस्की से सीधा बात करेंगे पुतिन

सऊदी में मीटिंग के बाद रूस का बड़ा बयान

एजेंसी

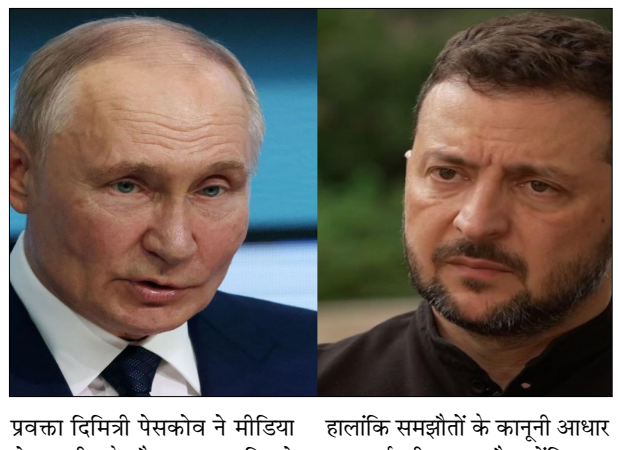

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में एंट्री के बाद बीते तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में नया मोड़ आता हुआ नजर आ रहा है। रूस ने इस जंग को लेकर मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। क्रेमलिन ने मंगलवार को कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जरूरत पड़ने पर वोलोडिमिर जेलेंस्की से बात करने के लिए तैयार हैं। हालांकि इस दौरान रूस ने यूक्रेनी राष्ट्रपति के रूप में जेलेंस्की की वैधता पर भी सवाल खड़े किए हैं। रूस ने यह भी कहा है कि सुरक्षा के व्यापक मुद्दे पर बात किए बिना यूक्रेन जंग का कोई हल नहीं निकल सकता। मंगलवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, पुतिन ने खुद कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो वे जेलेंस्की के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, हालांकि समझौतों के कानूनी आधार पर चर्चा की जरूरत है क्योंकि सच यह है कि जेलेंस्की की वैधता पर सवाल उठाए जा सकते हैं। बता दें कि राष्ट्रपति के रूप में जेलेंस्की का पांच साल का कार्यकाल पिछले साल खत्म हो गया था। हालांकि यूक्रेनी कानून के अनुसार मार्शल लॉ के लागू रहते राष्ट्रपति चुनाव आयोजित कराए जाने की जरूरत नहीं होती है। रूस ने कई मौकों पर इस पर सवाल उठाए हैं और यह तक कहा है कि रूस उन्हें वैध राष्ट्रपति के रूप में नहीं देखता है। इस दौरान रूस ने यह भी कहा कि रूस यूक्रेन को यूरोपीय संघ में शामिल होने से नहीं रोकेगा। हालांकि उन्होंने दोहराया कि वह यूक्रेन के नाटो का हिस्सा बनने का विरोध करता रहेगा। पेसकोव ने कहा, यूक्रेन के यूरोपीय संघ में शामिल होने के संबंध में रूस को कोई आपत्ति नहीं है। यह किसी भी देश का संप्रभु अधिकार है।

सीबीआई ने आईएएस अधिकारी सेठी के सरकारी आवास पर मारा छापा

एजेंसी

भुवनेश्वर। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की आठ सदस्यीय टीम ने ब्रिज एंड रूफ कंपनी से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी बिष्णुपद सेठी के सरकारी आवास पर छापेमारी की। सीबीआई की टीम दिल्ली से आज ओडिशा पहुंची।

सीबीआई की एक अन्य टीम बालासोर जिले के जलेश्वर स्थित आईएएस अधिकारी के आवास पर भी छापेमारी कर रही है। सीबीआई ने इससे पहले सेठी को रिश्वत मामले में तलब किया, लेकिन वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पूछताछ के लिए टीम के सामने पेश हुए थे।

इसके अलावा, सात दिसंबर को, सीबीआई टीम ने यहाँ एक होटल में 10 लाख रुपये की नकदी जब्त की और फिर ब्रिज एंड रूफ कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) चंचल मुखर्जी, प्रबंध निदेशक देवदत्त महापात्रा और एक निजी ठेकेदार को बोली निर्धारित करने के मामले में गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एक भ्रष्टाचार जांच के तहत की गई, जिसमें इन व्यक्तियों पर बोली प्रक्रिया में अनियमितताओं और घोटाले का आरोप लगाया गया है। आज सुबह जब आठ सदस्यीय सीबीआई टीम सेठी के आधिकारिक आवास पर पहुंची। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने ब्रिज एंड रूफ कंपनी या उसके सीजीएम मुखर्जी के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीआई टीम बिना किसी प्राथमिकी (एफआईआर) या महिला अधिकारियों की मौजूदगी के जबरन उनके आधिकारिक आवास में घुस गई। सेठी और उनकी पत्नी ने छापेमारी को लेकर सीबीआई टीम के साथ तीखी बहस की तथा दावा किया कि यह छापेमारी बिना वारंट जारी किये की गयी है।

वर्ष 2047 तक भारत को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाना केन्द्र सरकार का विजन-पाटिल

एजेंसी

उदयपुर। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने वर्ष 2047 तक भारत को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाना केन्द्र सरकार का विजन बताते हुए कहा है कि वह जल प्रबंधन के लिए प्रभावी कार्ययोजना बना रही है।

श्री पाटिल मंगलवार को उदयपुर में राज्य जल मंत्रियों के दूसरे अखिल भारतीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने के विजन पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु परियोजना (संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना) के तहत राजस्थान को ज्यादा पानी मिलेगा। परियोजना के तहत आने वाले समय में राजस्थान को बड़ी मात्रा में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि यमुना जल समझौते के तहत भी राजस्थान तथा हरियाणा राज्यों के त्वरित निर्णय से यमुना का सरप्लस वॉटर राजस्थान में आना संभव हो पाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी को 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने, हर घर में स्वच्छ जल पहुंचाने, किसानों को जल संकट से मुक्ति, नदी-जलाशयों को पुर्नजीवित करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदीजी ने स्वच्छता पर जोर दिया तथा 12 करोड़ शौचालय बनाए जिससे 60 करोड़ लोग लाभान्वित हुए तथा डायरिया जैसी गंभीर बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई।

उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत अब देश के 15 करोड़ घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पानी की शुद्धता को जांचने के लिए 25 लाख महिलाओं को किट एवं प्रशिक्षण दिया गया। इसी तरह, वर्षा जल संग्रहण के लिए कैच द रैन का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी गांवों में भू जल पुर्नभरण के लिए रिचार्ज वैल बनाने में योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कहा कि ओडिशा में से महानदी, गोदावरी, नर्मदा और ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदिया बहती है जो जल संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में वर्षा पर्याप्त है लेकिन वर्षा वितरण में असमानता है।

महबूबा ने माखन दीन की मौत की जांच पर निष्क्रियता की आलोचना की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि एक गुज्जर युवक माखन दीन की मौत के हफ्तों बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई, न तो न्यायिक जांच हुई और न ही शोक संतप्त परिवार को सहायता या मुआवजा प्रदान किया गया। सुश्री मुफ्ती ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, माखन दीन की दुखद मौत को कई हफ्ते बीत चुके हैं, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। न्यायिक जांच या शोक संतप्त परिवार के लिए किसी भी प्रकार के समर्थन या मुआवजे का कोई आदेश नहीं है। उन्होंने कहा, सबसे चिंताजनक बात यह है कि बिलावर के पुलिस जिसने कथित तौर पर पीड़िता को आत्महत्या के लिए मजबूर किया था, अभी भी फरार है। मामला यहीं खत्म नहीं होता - माखन दीन जैसे कई निर्दोष व्यक्तियों को एक ही अधिकारी द्वारा उग्रवाद के झूठे आरोपों में गिरफ्तार किया जाता है और जब तक कार्रवाई नहीं की जाती, उन्हें उसी दुखद भाग्य का सामना करना पड़ सकता है।